CNews सिटी चीफ

# सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-355
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, बुधवार 27 मार्च 2024

**आज का विचार**

**श्रद्धा की कमी ही सारे कष्टों और दुखों की जड़ है।**

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

पेज-04

## अमूल का फ्रेश मिल्क अब पहली बार भारत के बाहर अमेरिका में मिलेगा

**नई दिल्ली।** अमूल का फ्रेश मिल्क अब पहली बार भारत के बाहर मिलेगा। दरअसल, गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने इसे अमेरिकी बाजार में पहुंचाने की तैयारी कर ली है। इसके लिए महासंघ ने अमेरिका के मिशिगन मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन से समझौता किया है। जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने बताया कि हम कई दशकों से डेयरी उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। यह पहली बार है कि हम भारत के बाहर ताजे दूध की पेशकश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जीसीएमएमएफ ने अमेरिकी बाजार में ताजा दूध पेश करने के लिए 108 साल पुराने सहकारी संगठन मिशिगन मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (एमएमपीए) के साथ समझौता किया है। उन्होंने कहा कि दूध संग्रह और प्रसंस्करण एमएमपीए करेगा, जबकि जीसीएमएमएफ विपणन और ब्रांडिंग करेगा। मेहता ने कहा कि उत्पाद हमारा होगा। एक सप्ताह के भीतर अमूल ताजा, अमूल गोल्ड, अमूल शक्ति और अमूल स्लिम एन ट्रिम अमेरिकी बाजार में उपलब्ध होंगे। ताजा दूध न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, शिकागो, वाशिंगटन, डलास और टेक्सास सहित अन्य शहरों में मिलेगा।

## इसरो के रॉकेट ने पूरा किया खास मिशन, किया शून्य मलबे का उत्सर्जन

**नई दिल्ली।** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) एक के बाद एक लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। इसी क्रम में इसरो ने बताया कि उसके ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) ने शून्य कक्षीय मलबा मिशन पूरा कर लिया है। इसरो ने इसे मील का एक और पत्थर बताया। इसरो ने बताया कि उसके पीएसएलवी-सी58/एक्सपोसेट मिशन ने अंतरिक्ष में कोई भी मलबा नहीं छोड़ा है। इसरो ने बताया कि पीएसएलवी ने यह सफलता 21 मार्च को हासिल की। पीएसएलवी ऑर्बिटल एक्सपेरिमेंटल मॉड्यूल -3 ने पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर लिया। इससे पहले हाल ही में इसरो ने रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल तकनीक को लेकर एक सफलता हासिल की थी। इसरो की रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल तकनीक (लॉन्च व्हीकल को दोबारा इस्तेमाल करने की तकनीक) का परीक्षण सफल रहा था। कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज में शुक्रवार की सुबह करीब 7.10 बजे इसरो का रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल पुष्पक सफलतापूर्वक ऑटोमैटिक तरीके से रनवे पर लैंड हुआ था।

## लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने जारी की प्रत्याशियों की छठी लिस्ट

**नई दिल्ली।** लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने छठी सूची जारी कर दी है। इसमें तीन प्रत्याशियों का ऐलान किया गया है। सूची में राजस्थान के लिए दो और मणिपुर के लिए एक उम्मीदवार का नाम घोषित किया है। जानकारी के मुताबिक, राजस्थान की करौली-धौलपुर (अजा) लोकसभा सीट से इंदु देवी जाटव और दौसा से कन्हैया लाल मीणा को चुनावी मैदान में उतारा गया है। इसके अलावा इनर मणिपुर लोकसभा सीट से थौनाओजम बसंत कुमार सिंह पर दांव लगाया गया है। इससे पहले पार्टी ने रविवार को 111 उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी की थी। इस तरह पार्टी अब तक करीब 400 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों का एलान कर चुकी है। लोकसभा की 543 सीट के लिए 19 अप्रैल से एक जून के बीच सात चरण में चुनाव होना है। मतगणना चार जून को होगी। भाजपा की पहली सूची में 195 नामों का एलान किया गया था, जिसमें 34 केंद्रीय और राज्य मंत्रियों के नाम सूची में थे। पहली सूची में 28 महिलाओं को भी मौका दिया गया था। दूसरी सूची में 72 नामों को शामिल किया गया था। 21 मार्च को भाजपा ने तीसरी लिस्ट जारी करते हुए नौ उम्मीदवारों की घोषणा की थी। इसके बाद 22 मार्च को लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने तमिलनाडु की 14 सीटों के लिए प्रत्याशियों का ऐलान किया था। 24 मार्च को 111 उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी की गई।

# केजरीवाल की गिरफ्तारी-रिमांड पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई

### AAP को चेतावनी- कोर्ट परिसर में प्रदर्शन किया तो परिणाम गंभीर होंगे

ED की गिरफ्तारी और राउज एवेन्यू कोर्ट के रिमांड के फैसले को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की अदालत में मामले पर सुनवाई शुरू हो चुकी है। केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और श्वष्ठ की तरफ से अटॉर्नी सोलिसिटर जनरल एसवी राजू पेश हुए। ASG राजू ने कहा कि हम डिटेल में जवाब फाइल करना चाहते हैं। मुख्य केस में हमें 3 हफ्ते दिए गए थे। इस मामले में भी हमें अपना जवाब दाखिल करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह देर करने के हथकंडे हैं। हम हाईकोर्ट से अपील करते हैं कि इस पर अभी फैसला किया जाए। आप इसे स्वीकार करें या फिर मना कर दें। राजू ने कहा कि इनका मकसद सिर्फ आरोप लगाना है। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि हम

सप्लिमेंट्री लिस्ट पर सुनवाई पूरी करने के बाद फिर से केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई करेंगे। केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ AAP की लीगल सेल ने जिला अदालतों में प्रदर्शन का आह्वान किया था। इस पर दिल्ली हाईकोर्ट ने AAP को चेतावनी देते हुए कहा- कोर्ट परिसर में प्रदर्शन हुए तो परिणाम गंभीर होंगे। उधर, सुनवाई से ठीक पहले ED ने AAP के गोवा-महाराष्ट्र के प्रभारी दीपक सिंगला के दिल्ली स्थित आवास पर छापा मारा। एजेंसी शराब नीति से मिले पैसे का उपयोग गोवा चुनाव में करने का दावा कर चुकी है। मामले को इसी कड़ी से जोड़कर देखा जा रहा है।

## बीजापुर में तीन ग्रामीणों की हत्या के बाद पुलिस की नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, मुठभेड़ में छह नक्सली ढेर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नक्सल प्रभावित बासागुड़ा थाना क्षेत्र के पोलमपल्ली क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। पुलिस के साथ मुठभेड़ में छह नक्सली मारे गए हैं। पुलिस की ओर से सघन सर्चिंग अभियान जारी है। यह मुठभेड़ सुबह लगभग 7-8 बजे के बीच हुई। बासागुड़ा से सीआरपीएफ, डीआरजी, कोबरा के द्वारा नक्सलियों के पोलमपल्ली क्षेत्र में आमद के सूचना पर पुलिस बल रवाना हुआ था।जानकारी के अनुसार पुलिस को देख नक्सलियों ने फायरिंग शुरू की, इसकी जवाबी कार्रवाई सुरक्षा बलों द्वारा ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। जानकारी अनुसार मुठभेड़ खत्म होने के बाद का क्षेत्र सर्चिंग करने पर छह नक्सलियों के शव बरामद हुए।

## मणिशंकर अय्यर का टिकट काट कांग्रेस ने मयिलादुथुराई से आर सुधा को बनाया प्रत्याशी

**नई दिल्ली ।** कांग्रेस ने मंगलवार को लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की सातवीं सूची जारी की। इस सूची की खास बात यह है कि पार्टी के दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर का टिकट काट दिया गया है। मणिशंकर अय्यर की परंपरागत मानी जाने वाली तमिलनाडु की मयिलादुथुराई लोकसभा सीट से कांग्रेस ने उनकी जगह पर वकील आर सुधा को उम्मीदवार बनाया है। आर सुधा तमिलनाडु महिला कांग्रेस की मौजूदा अध्यक्ष भी हैं। सुधा की एक्स प्रोफाइल के अनुसार, वह मद्रास हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन की उपाध्यक्ष हैं। कांग्रेस की सक्रिय सदस्य होने के साथ वह पार्टी की तमिलनाडु इकाई की आधिकारिक मीडिया प्रवक्ता हैं। पिछले साल पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लिया था।

**छत्तीसगढ़ से चार उम्मीदवारों की घोषणा**

इसके अलावा कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ की लोकसभा सीटों के लिए भी चार उम्मीदवारों की घोषणा की है। इस तरह से अब तक पार्टी ने कुल 194 सीटों पर उम्मीदवारों का एलान कर दिया है। सातवीं सूची में पार्टी ने छत्तीसगढ़ की सरगुजा सीट से शशि सिंह को मैदान में उतारा है। रायगढ़ से मेनका देवी सिंह, बिलासपुर से देवेंद्र सिंह यादव और कांकेर से वीरेश ठाकुर को टिकट दिया गया है।

## शिवसेना उद्धव गुट ने 17 प्रत्याशियों की लिस्ट जारी की

**एजेंसी, मुंबई।** महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे ने अपने हिस्सा वाली शिवसेना (शिवसेना यूबीटी) के 17 प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी है। अनिल देसाई मुंबई दक्षिण मध्य संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। सांगली से चंद्रहार पाटिल को टिकट दिया है। सांसद गजानन कीर्तिकर के बेटे अमोल कीर्तिकर को मुंबई उत्तर पश्चिम से उम्मीदवार घोषित किया गया। खिचड़ी घोटाले में अमोल को आज ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया है। 16 में से 11 नाम वो हैं, जिनकी घोषणा प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पिछले महीने ही कर दी थी। पार्टी ने सभी पांच मौजूदा सांसदों को भी फिर से उम्मीदवार बनाया है। मौजूदा सांसद अरविंद सावंत मुंबई दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से, संजय पाटिल मुंबई उत्तर पूर्व से और अमोल कीर्तिकर मुंबई उत्तर पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे।

# नहीं रहे रामकृष्ण मिशन के अध्यक्ष स्वामी स्मरणानंद महाराज, कई हस्तियों ने व्यक्त किया शोक

**नई दिल्ली ।** रामकृष्ण मिशन के अध्यक्ष स्वामी स्मरणानंद का मंगलवार रात वृद्धावस्था संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता समेत कई हस्तियों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। वह 95 वर्ष के थे। मिशन ने एक बयान में कहा कि वह 2017 में रामकृष्ण मिशन के 16वें अध्यक्ष बने थे। मंगलवार को बेलूर मठ में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। बयान में कहा गया, 'रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के परम पूज्य अध्यक्ष श्रीमत स्वामी स्मरणानंदजी महाराज ने आज रात 8.14 बजे महासमाधि ले ली।' उन्हें संक्रमण

के कारण 29 जनवरी को रामकृष्ण मिशन सेवा प्रतिष्ठान में भर्ती कराया गया था। बाद में उन्हें सांस लेने में समस्या होने लगी। इसके बाद उन्हें तीन मार्च को वेंटिलेटर पर रखा गया था। **अनगिनत दिलों और दिमागों पर एक अमिट छाप छोड़ी** प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'उन्होंने अनगिनत दिलों और दिमागों पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उनकी करुणा और बुद्धिमत्ता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।' उन्होंने कहा, 'वर्षों से मेरा उनके साथ बहुत करीबी रिश्ता रहा है। मुझे 2020 में बेलूर मठ की अपनी यात्रा याद है जब मैंने उनसे बातचीत की थी। कुछ हफ्ते पहले कोलकाता में भी मैंने अस्पताल का दौरा किया था और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली थी।' पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने भी उनके निधन पर दुख जताया।

**बंगाल की सीएम बनर्जी ने भी दुख जताया** बंगाल की सीएम बनर्जी ने भी दुख जताया। उन्होंने लिखा, 'रामकृष्ण मठ और मिशन के अध्यक्ष श्रीमत स्वामी स्मरणानंदजी महाराज के निधन की खबर से बेहद दुखी हूं।

# इलेक्टोरल बॉन्ड : ड्रग टेस्ट में फेल फार्मा कंपनियों ने सियासी दलों दिया करोड़ों का चंदा

**नई दिल्ली।** देश में कई ऐसी दवा कंपनियां हैं जिनकी दवाईयां टेस्ट में फेल होती रही हैं। लेकिन इन कंपनियों ने दवाओं के ड्रग टेस्ट में फेल होने पर करोड़ों रुपयों के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदकर राजनीतिक पार्टियों को चंदे के तौर पर दिए हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़े डेटा विश्लेषण के बाद ऐसी बातों का पता चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने बीते दिनों चुनाव आयोग को इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा उपलब्ध कराया है। इस डेटा को चुनाव आयोग की ओर से सार्वजनिक कर दिया गया है। इसके बाद से इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये चंदा देने का मामला सुर्खियों में बना हुआ है। इलेक्टोरल बॉन्ड की शुरूआत 2017 में हुई थी। डेटा से पता चलता है कि करीब 23 फार्मा कंपनियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये करीब 762 करोड़ रुपये का चंदा राजनीतिक दलों को दिया है।

टोरेंट फार्मास्यूटिकल लिमिटेड का रजिस्टर्ड ऑफिस गुजरात के अहमदाबाद में है। कंपनी की ओर से साल 2018 से 2023 के बीच बनाई गई तीन दवाएं ड्रग टेस्ट में फेल हुई हैं। जो दवाएं फेल हुईं उनमें डेप्लेट ए 150 जो दिल का दौरान पड़ने पर बचाती है, लोपामाइड और निकोरन आईवी 2 शामिल है। कंपनी की ओर से 7 मई 2019 से 10 जनवरी 2024 के बीच 77.5 करोड़ के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे गए हैं। साल 2018 से 2023 के

बीच सिप्ला लिमिटेड की दवाओं के सात बार ड्रग टेस्ट फेल हुए। सिप्ला लिमिटेड का रजिस्टर्ड दफ्तर मुंबई में है। कंपनी का जो सिपरेमी इंजेक्शन ड्रग टेस्ट में फेल हुआ उसका इस्तेमाल कोविड के इलाज में किया जाता है। इस कंपनी ने 10 जुलाई 2019 और 10 नवंबर 2022 के बीच 39.2 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे।

**इन कंपनियों ने भी दिया करोड़ों का चंदा** -सन फार्मा लेबोरेटरीज लिमिटेड ने 15 अप्रैल 2019 और 8 मई 2019 को कुल 31.5 करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे। वहीं साल 2020 और 2023 के बीच 6 बार इस कंपनी की बनाई गई दवाओं के ड्रग टेस्ट फेल हुए। इन दवाओं में काडीर्वास, लैटोप्रोस्ट आई ड्रॉप्स, और फ्लेक्सुरा डी शामिल थीं।

-जाइडस हेल्थकेयर लिमिटेड ने 10 अक्टूबर 2022 और 10 जुलाई 2023 के बीच इस कंपनी ने 29 करोड़ रुपए के बॉन्ड खरीदे थे। साल 2021 में बिहार के ड्रग रेगुलेटर ने इस कंपनी की बनाई गई रेमडेसिविर दवाओं के एक बैच में गुणवत्ता की कमी की बात कही थी।

- हेटेरो ड्रग्स लिमिटेड और हेटेरो लैब्स लिमिटेड की ओर से साल 2018 और 2021 के बीच बनाई गई दवाओं के सात ड्रग टेस्ट फेल हुए। हेटेरो ड्रग्स लिमिटेड ने 7 अप्रैल 2022 और 11 जुलाई 2023 को 30 करोड़ रुपए के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे। ये सारे बॉन्ड तेलंगाना की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पार्टी को दिए गए।

-इंटास फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने 10 अक्टूबर 2022 को 20 करोड़ रुपए के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे थे। जुलाई 2020 में इस कंपनी की बनाई गई दवा एनाप्रिल का ड्रग टेस्ट फेल हुआ था।

-आईपीसीए लैबोरेट्रीज लिमिटेड की दवा लारियागो टेबलेट का ड्रग टेस्ट फेल हुआ था। 10 नवम्बर 2022 और 5 अक्टूबर 2023 के बीच इस कंपनी ने 13.5 करोड़ रुपए के बॉन्ड खरीदे थे।

-ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड की बनाई गई दवाओं के छह ड्रग टेस्ट फेल हुए थे। इस कंपनी ने 11 नवंबर 2022 को 9.75 करोड़ रुपये के बॉन्ड खरीदे।

## केजरीवाल पर घमासान सड़क पर

**नई दिल्ली।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। इनमें पंजाब के मंत्री सहित लोकसभा प्रत्याशी सोमनाथ भारती भी शामिल रहे। वहीं केजरीवाल के इस्तीफे को लेकर बीजेपी भी सड़क पर उतर आई । बीजेपी का कहना है कि जेल से गिरोह चलता है सरकार नहीं। केजरीवाल को पद से इस्तीफा देना चाहिए। इसी बीच प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। चप्पे-चप्पे पर पुलिसकर्मी और अर्धसैनिक बल तैनात रहे। इस बीच ईडी की ओर से गिरफ्तार किए जाने के बाद अरविंद केजरीवाल की ओर से आए दो आदेशों को लेकर विवाद बढ़ गया है। बीजेपी की ओर से की गई शिकायत के बाद अब ईडी ने भी कहा है कि केजरीवाल से हिरासत में कोई हस्ताक्षर नहीं लिया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री सीसीटीवी की निगरानी में हैं और उन्हें अभी सरकारी फाइलों पर हस्ताक्षर की अनुमति नहीं है। ईडी सूत्रों ने कहा है कि हिरासत में रहते हुए उन्हें हर दिन शाम को पत्नी और वकीलों से मुलाकात की इजाजत है। लेकिन उन्हें सरकारी फाइलों को देखने या साइन करने की इजाजत नहीं दी गई है। ईडी इस बात की जांच कर रही है कि क्या इन मुलाकातों के दौरान कोई हस्ताक्षर कराए गए हैं। जांच एजेंसी के सूत्रों का यह भी कहना है कि यदि जांच में किसी नियम का उल्लंघन पाया जाता है तो 28 मार्च को कोर्ट के सामने इसे रखा जाएगा।

# इंदौर की कान्ह और शिप्रा को प्रदूषण से बचाने के लिए दस से ज्यादा जगह बनेंगे वेटलैंड

सिटी चीफ...इंदौर। ग्रामीण अंचल से गुजर रही कान्ह और शिप्रा को प्रदूषित होने से बचाने के लिए जिला पंचायत द्वारा नया प्रयोग किया जा रहा है। दरअसल, इन दोनों नदी किनारे बसे गांवों से निकलने वाला दूषित पानी साफ करने के लिए जिले में दस से अधिक जगहों पर वेटलैंड बनाया जाएगा। हालांकि अब तक जिला पंचायत 40 से अधिक गांवों में ग्रेवल फिल्टर, लीचपिट जैसी संरचनाएं बनाकर गांव के दूषित पानी को ठीक करने में लगी है। शिप्रा और कान्ह नदी किनारे 62 गांव हैं। इनमें से 42 गांव ऐसे हैं, जहां रसोई सहित अन्य दूषित जल बहकर सीधे नदी-नालों में मिलता है। ऐसे में नदी शुद्धीकरण अभियान के चलते जिला पंचायत ने कुछ माह पहले ही इन 42 गांव में कम्युनिटी लीचपिट और ग्रेवल फिल्टर लगाने का काम शुरू किया है। शुरुआत में करीब दस गांव में वेटलैंड तैयार किया जा रहा है। इन गांव पहले से ही दलदली क्षेत्र हैं। यहां पर ड्रेन बनाकर पानी को सीधे यहां लाया जाएगा। यहां पर दूषित पानी के ऊपर टायर में जाली लगाकर केली के पौधे लगाएंगे, जो तैरते हुए पानी के दूषित कण सोख लेंगे। इससे दो फायदे होंगे, एक तो गंदा पानी सीधे तौर पर नदी में नहीं मिलेगा, वहीं क्षेत्र का भूजल स्तर भी सुधरेगा। इस तकनीक से 80 फीसदी तक दूषित पानी को शुद्ध किया जा सकता है। रखरखाव में भी ज्यादा खर्च नहीं होता है। हालांकि यह प्रोजेक्ट छोटे स्तर पर तैयार किया जा रहा है। इसकी डीपीआर तैयार की जा रही है। शुरुआत में सांवेर जनपद के सोलसिंडा, व्यासखेड़ी, सिलोटिया, मंडलावदा, गवला, इंदौर जनपद के अरनिया गांव सहित अन्य में वेटलैंड तैयार किए जा रहे हैं। ग्रेवल फिल्टर ओर लीचपिट भी बनाई- जिला पंचायत ने पानी शुद्ध करने के लिए कई गांव में ग्रेवल फिल्टर और लीचपिट भी तैयार की है। जिले के 49 गांव में ग्रेवल फिल्टर और 62 गांव में लीचपिट तैयार की गई है, ताकि नदी-नालों को प्रदूषण मुक्त बनाया जाए। लीचपिट के लिए चार बाय चार का गोलाकार गड्ढा खोदा जाता है, जिसमें जाली लगाई जाती है। नीचे से कच्चा रहता है। इसके आसपास ऊंची दीवार बना दी जाती है। इसमें पानी नीचे सोखता हुआ चला जाता है। वहीं लीचपिट जगह ग्रेवल फिल्टर लंबा बनता है। इसमें पांच से छह लेयर जालियां लगाई जाती हैं, ताकि पानी छन कर निकासी से आगे बढ़ जाता है।

# अनजान लोगों को घर से निकलता देख पत्नी की हत्या, 12 बार चाकू घोंपे

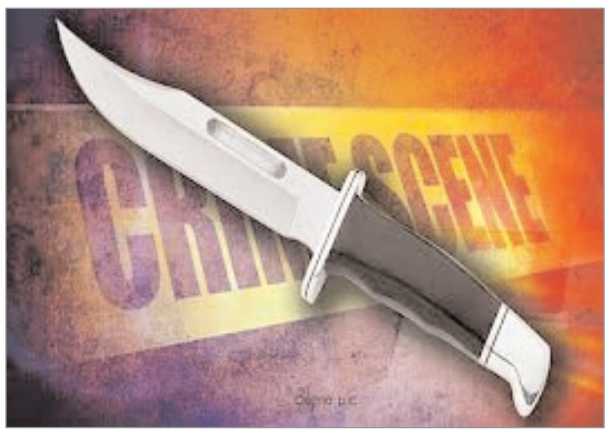


सिटी चीफ...इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र में एक युवक ने पत्नी की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। युवक पत्नी के चरित्र पर शंका करता था। मंगलवार को उसने दो अनजान लोगों को घर से निकलते हुए देखा और पत्नी से पूछताछ की। पत्नी संतुष्टिपूर्वक जवाब नहीं दे पाई तो घास काटने वाले चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद खुद ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण भी कर दिया। उसने चरित्र शंका में हत्या करना कबूला है। शैलेंद्र भाजपा विधायक की होटल में माली का काम करता है। वारदात के बाद स्वयं थाने पहुंच गया। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी ले ली। जोन-2 के एडिशनल डीसीपी अमरेंद्रसिंह के मुताबिक, घटना मंगलवार देर रात लसूड़िया मौरी की है। आरोपित शैलेंद्र पुत्र घनश्याम वर्मा ने पत्नी दीपा वर्मा की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। शैलेंद्र भाजपा विधायक के होटल में नौकरी करता है। शैलेंद्र को दीपा पर शक था। इस बात पर अक्सर उनके बीच विवाद होता रहता था। मंगलवार रात शैलेंद्र ने दो अपरिचित लोगों को घर से निकले हुए देख लिया। शैलेंद्र को पुनः दीपा पर शक हुआ और उससे पूछताछ की। इस बात पर दीपा और शैलेंद्र बीच विवाद होने लगा। गुस्से में शैलेंद्र ने घास काटने के चाकू से हमला कर दीपा की हत्या कर दी। भाई धीरज के मुताबिक, घटना करीब रात 1 बजे की है। शैलेंद्र ने करीब 12 बार चाकूओं से हमला किया है। दीपा की चीख सुनकर बेटियां उठ गई। उन्होंने काफी शोर मचाया लेकिन मदद के लिए नहीं था। बाद में धीरज को काल लगाकर पूरी घटना बताई। धीरज घर पहुंचा और दीपा को एमवाय अस्पताल लेकर आया। हालांकि दीपा की अस्पताल पहुंचने के पूर्व ही मौत हो चुकी थी। पुलिस के मुताबिक शैलेंद्र होटल फाल्गुन में माली का काम करता था। दोनों की शादी को करीब 14 साल हो चुके है। उनकी दो बेटियां है। वह होटल के सर्वेंट क्वार्टर में ही रहता था।

### तीन दिन में चौथी हत्या

- चरित्र शंका में रविवार को भी बाणगंगा थाना क्षेत्र के भागीरथपुरा में
- बाणगंगा थाना क्षेत्र में धर्मेश यादव की संजय उर्फ संजू बुंदेला ने चाकू मारकर हत्या कर दी।
- गांधीनगर के बड़ा बांगड़दा में आरोपित जावेद ने प्रेमिका जेबा उर्फ काली की चाकू मारकर हत्या कर दी।
- खुड़ैल के खेड़ापति हनुमान मंदिर के सामने शुभम नामक युवक ने संतोष की चाकू मारकर हत्या कर

# इंदौर में आज भजनों की प्रस्तुति के साथ ही फाग उत्सव की धूम रहेगी

सिटी चीफ...इंदौर। शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 27 मार्च को होंगे। शहर में आज धार्मिक आयोजन के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। कहीं भजनों की प्रस्तुति होगी तो कहीं फाग उत्सव की धूम रहेगी। ईश्वर आराधना से दिन की शुरुआत होगी। दिन में फिल्म फेस्टिवल का आनंद भी लोग ले सकेंगे और शाम को रंगमंच के साक्षी भी इंदौरी बनेंगे।- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय द्वारा एजुकेशनल फिल्म फेस्टिवल आयोजित किया जा रहा है। तीन दिवसीय यह फिल्म फेस्टिवल खंडवा रोड स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के सभागृह में होगा। फेस्टिवल का उद्घाटन सुबह 11 बजे होगा।

- अभिनव कला समाज सभागृह में स्टेट प्रेस क्लब द्वारा 'आम चुनाव और मीडिया की भूमिका' विषय पर परिसंवाद शाम 4 बजे से होगा। इस परिसंवाद में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु डा. केजी सुरेश और वरिष्ठ पत्रकार रमण रावल विषय पर विचार व्यक्त करेंगे।
- श्रीनाथ मंदिर संस्थान में माधवनाथ महाराज पुण्यतिथि महोत्सव के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दोपहर 3 बजे लोकमान्य नगर की भावगंध भजनी मंडळ द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। मंदिर परिसर में ही शाम 6 बजे से नरसोबावाडी से आए हभप शरदबुवा धाग कीर्तन करेंगे। रात 9 बजे राजेंद्र नगर की भक्ति भजनी मंडळ द्वारा भजन प्रस्तुत किए जाएंगे।
- विश्व रंगमंच दिवस की शाम यदि आप दो नाटक देखना चाहते हैं तो शाम 7 बजे अभिनव कला समाज के सभागृह पहुंच जाएं। यहां अनवरत संस्था द्वारा 'पापकार्न विथ परसाई' और 'बलि और शंभू' नाटक का मंचन किया जाएगा।
- यदि आज दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे के बीच आप बंगाली चौराहे के आसपास हैं तो शिवशक्ति नगर के ज्वाला माता मंदिर पहुंच जाएं। यहां फाग आन व्हील कार्यक्रम होगा जिसमें 100 व्हील चेयर पर्सन भाग लेंगे।
- यदि आपकी रूचि चित्रकला में है तो एबी रोड स्थित प्रिंसेस बिजनेस स्काईपार्क जा सकते हैं। यहां मर्म कला अनुष्ठान द्वारा रमेश आनंद के चित्रों की जो प्रदर्शनी लगी है उसका आनंद आप सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक ले सकते हैं।
- यदि आप राजवाड़ा के आसपास हैं तो एक बार राजवाड़ा भीतर से भी निहारें। यहां होलकर शासकों के चित्र, उनकी जानकारी और पुराने इंदौर की तस्वीरें प्रदर्शित की गई हैं। पुरातत्व विभाग बनाई गई नई वीथिका को आप सुबह 11 बजे से देख सकते हैं।

# पत्नी ने बच्चे को जन्म देने से किया इनकार तो गुस्साए युवक ने तांत्रिक के बेटे को गोली मारी

सिटी चीफ...इंदौर । तांत्रिक के प्रभाव में आकर बच्चे को जन्म देने से पत्नी के इनकार करने से गुस्साए एक युवक ने अपने साथी के साथ मिलकर तांत्रिक के बेटे को सरेआम गोली मार दी। पुलिस ने दोनों आरोपितों को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्तार कर लिया।घटना मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र के गोपुर चौराहे पर 22 मार्च को अंजाम दी गई। बाइक पर जा रहे श्रद्धापुरी निवासी तांत्रिक परसराम नागर के बेटे दीपक पर फायरिंग की गई। गोली उसकी पीठ पर लगी। इससे वह घायल हो गया। उसका गंभीर हालत में उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने हमलावरों का पता लगाने के लिए घटना स्थल से 25 किलोमीटर दायरे में 450 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो आरोपितों की पहचान बिनोबा नगर निवासी महेश शिंदेल और उसके साथी सोनू व्यास के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपित महेश शिंदेल ने बताया कि घायल दीपक के तांत्रिक पिता परसराम नागर ने उसकी पत्नी को अपने प्रभाव में ले रखा है। इस वजह से उसकी पत्नी काफी समय से बच्चे को जन्म देने से इन्कार कर रही है। इसको लेकर गुस्से की वजह से उसने दीपक को जान से मारने के इरादे से उस पर फायरिंग की थी। आरोप है कि आरोपित दीपक से पहले उसके पिता तांत्रिक परसराम पर भी हमला कर चुका है।

# महिला एसआई ने दी लट्ठमार होली की चेतावनी अधिकारियों ने दिए कार्रवाई के आदेश

सिटी चीफ...इंदौर । लसूड़िया थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर खुशबू परमार को इंटरनेट मीडिया के लिए रील बनाना महंगा पड़ गया। वह रील में पुलिस की गाड़ी में लोगों को शाम चार बजे तक ही होली खेलने की हिदायत देती नजर आ रही है। धमकीभरे अंदाज में यह भी कहते नजर आ रही है कि शाम चो बजे बाद घर नहीं गए तो पुलिस लट्ठमार होली खेलेगी। यह वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ और मामला पुलिस के बड़े अधिकारियों तक पहुंच गया। इसके बाद उन्होंने कार्रवाई के निर्देश दिए।दरअसल, पुलिसकर्मी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से यह वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह पुलिस की गाड़ी में बैठकर वायरलेस सेट से आम जनता को लट्ठमार होली की चेतावनी देती नजर आ रही है। यह भी कह रही थी कि जनता से निवेदन है, आचार संहिता का ध्यान रखें। इस मौके पर आप अपने घर में रहें वरना पुलिस द्वारा लट्ठमार होली का आयोजन किया जाएगा। बता दें कि पुलिसकर्मी के इंस्टाग्राम पर करीब 45 हजार फालोअर हैं। वीडियो को लेकर कानून की एक छात्रा ने निर्वाचन आयोग और सरकार को %एक्स% पर पोस्ट के जरिये कार्रवाई की मांग की है। इंदौर पुलिस का कहना है कि वीडियो को बड़े अधिकारियों ने संज्ञान में लिया है और उसकी जांच की जा रही है। इस मामले में डीसीपी ने शोकाज नोटिस भी जारी किया है। सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस कार्रवाई करेगी। पुलिस कमिश्नर ने भी सब इंस्पेक्टर पर कार्रवाई के आदेश दिए हैं। डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा के मुताबिक शहर में सभी नागरिकों ने अपने समय से होली मनाई। इस तरह का कोई आदेश नहीं था। रील बनाई तो गलत है, इस पर कार्रवाई की जाएगी।

# तीन बेटियों समेत महिला ने लगाई फांसी, मायका पक्ष का आरोप- बेटा नहीं होने पर करते थे प्रताड़ित

**सिटी चीफ... भोपाल।** राजधानी के समीपस्थ गुनगा थाना इलाके के रोंडिया गांव में रहने वाली एक महिला ने तीन मासूम बेटियों के साथ फांसी लगा ली। मां और दो बच्चियों की मौत हो गई, जबकि ढाई वर्ष की बालिका की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तलाशी के दौरान पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला है। उसमें महिला ने लिखा है कि बच्चेदानी में गठान होने के कारण अब वह बच्चे को जन्म नहीं दे सकेगी। इस वजह से इस तरह का कदम उठा रही है। उधर घटना के बाद महिला के मायके पक्ष को लोगों ने बेटी के ससुराल पहुंचकर हंगामा किया। उनका कहना है कि बेटा नहीं होने के कारण उसे प्रताड़ित किया जा रहा था। साथ ही बेटी की हत्या करने का आरोप भी लगाया है। घटना के बाद से गांव में मातम का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गुनगा थाना प्रभारी अरुण शर्मा ने बताया कि 28 वर्षीय संगीता पत्नी रजत यादव ग्राम रोंडिया में परिवार के साथ रहती थी। मंगलवार सुबह स्वजन ने संगीता और उसकी तीनों बेटियों पांच वर्षीय आराध्या, ढाई वर्षीय मनु और लगभग डेढ़ वर्ष की श्रष्टि को फांसी पर लटके देखा। डाक्टर ने जांच करने के बाद संगीता, आराध्या और श्रष्टि को मृत घोषित कर दिया। सांस चलती मिलने के कारण मनु को अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया है। घटना से पहले भेजे भाई को मैसेज संगीता के मायका पक्ष के लोगों का आरोप है कि शादी के बाद जब पहली बेटी हुई थी, तभी से उसके ससुराल के लोग बेटा ना होने पर ताना मारने लगे थे। तीसरी संतान भी बेटी होने के बाद संगीता को आए दिन प्रताड़ित किया जाने लगा था। सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात में संगीता ने अपने भाई को एक-एक कर पांच वाइस मैसेज भेजे थे। एक संदेश में उसने बोला था कि वह बहुत खराब हैं। मैं सोचती थी कि आज नहीं तो कल सब ठीक हो जाएगा, लेकिन अब मैं जहर खा रही हूं। कोई नहीं बचेगा, सब मरेंगे। चार मार्च को संगीता की छोटी बहन की शादी थी। उसमें संगीता अपने पति रजत और बच्चियों के साथ मायके गई थी। आरोप है कि वहां भी रजत ने शराब पीकर काफी हंगामा किया था और रात में ही संगीता को ससुराल लेकर आ गया था। टेंट का कारोबार है रजत का रजत संयुक्त परिवार में रहता है। उसके पिता होमगार्ड में पदस्थ हैं। घर में दूध का व्यवसाय होने के साथ ही रजत का स्वयं का टेंट का कारोबार है। परिवार में माता-पिता के अलावा रजत के दो छोटे भाई बहन हैं। करीब छह साल पहले रजत की शादी हलाली डैम के पास स्थित ग्राम सिंगरामपुर निवासी संगीता से हुई थी। टीआइ अरुण शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि तीनों बेटियों को फांसी पर लटकाने के बाद संगीता ने फांसी लगाई है। घटनास्थल की तलाशी लेने के दौरान एक सुसाइड नोट मिला है। उसमें लिखा है कि बच्चेदानी में गठान होने के कारण अब वह बच्चे को जन्म नहीं दे सकेगी। इस वजह से जान दे रही है। नवविवाहिता की मौत का मामला होने के कारण जांच एसडीओपी द्वारा की जा रही है।

## आइटीआइ पर 2.43 करोड़ रुपये बकाया, निगम ने काटा नल कलेक्शन तो 20 लाख किए जमा

**सिटी चीफ... भोपाल।** नगर निगम द्वारा चालू वित्तीय वर्ष के संपत्तिकर और जलकर को वसूलने के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। शुक्रवार को नगर निगम की टीम ने आइटीआइ संस्थान का नल कनेक्शन विच्छेद कर दिया था। दरअसल गैस राहत एवं पुनर्वास विभाग द्वारा संचालित इस आइटीआइ कालेज पर जलकर का दो करोड़ 63 लाख 25 हजार से ज्यादा का बकाया था, इसके बाद कार्रवाई की गई थी। जब निगम ने कनेक्शन काटा तो आइटीआइ प्रबंधन द्वारा 20 लाख रुपये जमा कराए गए। हालांकि अभी भी दो करोड़ 43 लाख रुपये बकाया है। जिसे प्रबंधन ने जल्द जमा कराने का आश्वासन दिया है। जोनल अधिकारी सत्यप्रकाश बड़गैया ने बताया कि जोन क्रमांक 16 के अंतर्गत वार्ड 65 में गैस राहत आइटीआइ संस्थान आता है। इन पर दो करोड़ रुपये से अधिक की राशि बकाया है। इसको देखते हुए पूर्व में नोटिस जारी किया गया, लेकिन इनके द्वारा बकाया राशि जमा नहीं की गई। इस स्थिति में यह नल कनेक्शन विच्छेद कर दिया गया था। जब प्रबंधन ने 20 लाख रुपये जमा कराने के बाद बकाया राशि जल्द चुकाने का आश्वासन दिया, तो फिर से नल कनेक्शन जोड़ दिया गया है। संपत्ति कर में छूट के लिए पांच दिन शेष वर्तमान वित्तीय वर्ष की समाप्ति में पांच दिन शेष हैं। यदि इस समय सीमा में करदाता अपने संपत्तिकर जमा नहीं कराते तो स्वयं के आवास में मिलने वाली 50 प्रतिशत की छूट समाप्त हो जाएगी। संपत्तिधारकों को एक अप्रैल 2024 से दोगुना कर चुकाना होगा, वहीं अन्य संपत्तियों का बकाया संपत्तिकर, जलकर और ठोस अपशिष्ठ प्रभार नहीं चुकाने वालों को भी वर्तमान बकाया के साथ 15 प्रतिशत अधिभार चुकाना होगा।

## तीन बेटियों संग मां के फंदे पर झूलने की घटना से शिवराज व्यथित, बोले- बेटा-बेटी में भेदभाव की सोच से हमेशा लड़ता रहूंगा

**सिटी चीफ... भोपाल।** बैरसिया तहसील में स्थित गांव रोंडिया में एक महिला द्वारा अपनी तीन बेटियों के साथ फंदे से लटकने की घटना से हर कोई सन्न है। मृतक महिला के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर बेटा पैदा न कर पाने को लेकर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं। इस हृदय विदारक घटना ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी व्यथित कर दिया है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया के जरिए अपनी पीड़ा व्यक्त की और बेटी-बेटी में भेद करने वाली घिनौनी सोच को लेकर अफसोस जाहिर किया। शिवराज ने अपने आधिकारिक %एक्स% हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा - हृदय व्यथित है! आखिर कोई बेटा-बेटी में भेदभाव कैसे कर सकता है। भोपाल के पास एक गांव में एक बहन को बेटा न होने की प्रताड़ना से परेशान होकर अपनी तीन बेटियों के साथ जीवन देने का रास्ता चुनना पड़ा। बहन और दो बेटियों का निधन हो गया, तीसरी बिटिया की हालत गंभीर बनी है। इस खबर ने अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। आखिर इतनी कोशिशों के बाद भी समाज में ऐसा क्यों हो जाता है, कुछ लोग क्यों नहीं समझते कि बेटियों के बिना जीवन नहीं चल सकता, बेटियों के बिना ये संसार सूना है। शिवराज ने अपनी इस पोस्ट में आगे लिखा कि मैंने जीवन-पर्यंत इस सोच को बदलने की कोशिश की और आगे भी करता रहूंगा। हम सब को ये संकल्प लेना चाहिए कि बेटा-बेटी के भेदभाव वाली ये सोच किसी बहन-बिटिया की जान न ले ले, उनका जीवन दुश्वार न कर दे।

## भोपाल की दो वर्षीय सिद्धि माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप पर पहुंची, बनाया रिकार्ड

**सिटी चीफ... भोपाल।** भोपाल शहर की दो वर्षीय सिद्धि मिश्रा माउंट एवरेस्ट बेस कैंप पर चढ़ गई है। सिद्धि मिश्रा ने अपनी मां पर्वतारोही भावना मिश्रा के साथ यह चढ़ाई माइनस 16 तापमान के बीच चुनौतीपूर्ण कठिन परिस्थितियों में पूरी की। दावा किया जा रहा है कि सिद्धि ने अपनी मां के साथ एवरेस्ट बेस कैंप पर सबसे कम उम्र में चढ़ाई कर वर्ल्ड रिकार्ड भी बनाया है। सिद्धि की मां ने इंटरनेट मीडिया पर फोटो पोस्ट कर यह जानकारी दी। फोटो में सिद्धि अपनी मां के साथ एवरेस्ट के बेस कैंप में दिखाई दे रही हैं। नेपाल से शुरू की चढ़ाई जानकारी के अनुसार सिद्धि मिश्रा ने अपनी मां की पीठ पर सवार होकर समुद्र तल से 17,598 फीट की ऊंचाई पर नेपाल के दक्षिण कवी ओर चढ़ाई की। इस दौरान दोनों की इस पूरी यात्रा में नीमा शेरपा उनके मार्गदर्शक रहे। सिद्धि और उनकी मां भावना मध्य प्रदेश से 12 मार्च को काठमांडू के लुक्ला पहुंचीं। उस वक्त वहां का तापमान 02 से 04 डिग्री सेल्सियस के मध्य था। उसके बाद दोनों ने उसी दिन 2 से -2 डिग्री सेल्सियस तापमान में फाकडिंग तक पैदल यात्रा की। अगले दिन 13 मार्च को उन्होंने फाकडिंग से नामचे बाजार तक ट्रैकिंग की।

## बीजेपी ने बनाई खास रणनीति, कांग्रेस के एक लाख कार्यकर्ताओं को पार्टी में शामिल करने का लक्ष्य

**सिटी चीफ... भोपाल ।** लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी ने मध्य प्रदेश में कांग्रेस के एक लाख कार्यकर्ताओं को अपने पाले में शामिल करने का लक्ष्य रखा है, जिनमें असंतुष्ट प्रभावशाली नेता भी शामिल हैं, ताकि प्रदेश में सभी 29 सीट पर जीत दर्ज की जा सके. राजनीतिक पर्यवेक्षकों और बीजेपी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार रणनीति कांग्रेस को जमीनी स्तर पर कमजोर करने और साथ ही उन वरिष्ठ नेताओं के दलबदल को सुनिश्चित करने की है जो पार्टी संगठन में नाखुश हैं. वर्ष 2019 के चुनावों में बीजेपी ने 29 में से 28 सीट पर जीत जीतकर राज्य में कांग्रेस का लगभग सफाया कर दिया था. कांग्रेस सिर्फ छिंदवाड़ा सीट पर जीत हासिल कर पाई थी. दूसरी ओर, कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के प्रमुख जीतू पटवारी ने कहा कि भगोड़ों का कोई भविष्य नहीं है. बीजेपी के एक अन्य नेता ने कहा कि बीजेपी ने छिंदवाड़ा से 50,000 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को शामिल करने का एक लक्ष्य रखा है और अपनी जिला इकाई को इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कहा है. बीजेपी की प्रदेश इकाई के प्रमुख वीडी शर्मा ने दावा किया, मुझे लगता है कि कांग्रेस से नाखुश प्रभावशाली नेताओं सहित लगभग 50,000 कार्यकर्ता पहले ही बीजेपी में शामिल हो चुके हैं. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के बड़े नेताओं के दलबदल की सिर्फ चर्चा ही हो रही है, हालांकि कांग्रेस पूरे राज्य में जिला, तहसील, खंड और बूथ स्तर पर पलायन देख रही है. खजुराहो सीट से लोकसभा में दूसरे कार्यकाल के लिए प्रयासरत शर्मा ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव से पहले राज्यभर में कांग्रेस के कम से कम एक लाख कार्यकर्ता बीजेपी में शामिल होने जा रहे हैं. इंदौर से पूर्व कांग्रेस विधायक अंतर सिंह दरबार और उनके सहयोगी पंकज संघवी तथा अन्य 15 मार्च को बीजेपी में शामिल हो गए.इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री मोहन यादव ने दावा किया, मोदी का परिवार मध्य प्रदेश में सबसे तेज गति से बढ़ रहा है. मध्य प्रदेश पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जैसे बीजेपी के दिग्गजों और विजया राजे सिंधिया तथा कुशा भाऊ ठाकरे जैसे संघ के दिग्गजों का राजनीतिक क्षेत्र रहा है. बीजेपी के एक नेता ने दावा किया कि यह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ही थे, जिन्होंने ग्वालियर में बंद कमरे में हुई बैठक में पार्टी नेताओं और बूथ कार्यकर्ताओं से कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं और कार्यकर्ताओं को लाने के लिए कहा था. उन्होंने दावा किया कि शाह ने बैठक में उपस्थित लोगों से कांग्रेस के स्थानीय प्रभावशाली नेताओं को शामिल करने और विपक्षी खेमे के वरिष्ठ नेताओं का निर्णय बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व पर छोड़ने के लिए कहा था. उनके अनुसार, शाह ने बीजेपी नेताओं से कहा कि वे कांग्रेस नेताओं की आमद के बारे में चिंता न करें और उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी वरिष्ठता प्रभावित नहीं होगी और उन्हें पार्टी में विशेष स्थान और सम्मान मिलेगा. छिंदवाड़ा से बीजेपी उम्मीदवार विवेक साहू ने कहा, बीजेपी ने छिंदवाड़ा से 50,000 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को शामिल करने का लक्ष्य रखा है और अपनी जिला इकाई से इस लक्ष्य को हासिल करने को कहा है.पिछले हफ्ते, कमलनाथ के करीबी सहयोगी दीपक सक्सेना ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया और उनके बीजेपी में शामिल होने की संभावना है. विशेष रूप से, पिछले महीने कमल नाथ और उनके सांसद बेटे नकुलनाथ के बीजेपी में जाने की अटकलें भी लगाई जा रही थीं, लेकिन उन्होंने इसे 'मीडिया की उपज' बताकर खारिज कर दिया था. साहू ने दावा किया कि छिंदवाड़ा से 5,000 से अधिक कांग्रेसी पहले ही बीजेपी में शामिल हो चुके हैं.

## होटल जहांनुमा पैलेस के मालिक ने खुद को गोली मारकर की खुदकुशी

शहर के श्यामला हिल्स थाना इलाके में रहने वाले होटल जहांनुमा पैलेस के मालिक 72 साल के नादिर रशीद ने बुधवार सुबह अपने घर में खुद को गोली मारकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए हमीदिया भेज दिया गया है। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और होटल कारोबारी के रिश्तेदार उनके घर पहुंच गए हैं। पुलिस को घटनास्थल से सुसाइड नोट नहीं मिला है, इस वजह से फिलहाल आत्महत्या करने की वजह पता नहीं चल पाई है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक होटल कारोबारी लंबे समय से बीमार चल रहे थे और इस वजह से वह कई महीनों से डिप्रेशन में भी थे। उनके परिवार में पत्नी सोनिया के अलावा दो बेटे अली और जफर हैं।

## कांग्रेस आज जारी कर सकती है मध्य प्रदेश के प्रत्याशियों की तीसरी सूची दिल्ली में होना है बैठक

**सिटी चीफ... भोपाल।** लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस मध्य प्रदेश के प्रत्याशियों की आज तीसरी सूची जारी कर सकती है। इससे पहले कांग्रेस दो सूचियां जारी कर चुकी है, पहली सूची में जहां 10 तो वहीं दूसरी सूची में 12 नाम शामिल थे, इस तरह मध्य प्रदेश की 29 में से 22 सीटों पर कांग्रेस ने प्रत्याशियों के नाम तय कर दिए हैं। खजुराहो में नहीं लड़ेगी कांग्रेस- मध्य प्रदेश में कांग्रेस 29 में से सिर्फ 28 सीटों पर ही चुनाव लड़ेगी। खजुराहो सीट समाजवादी पार्टी से हुए समझौते के तहत कांग्रेस ने छोड़ दी है, लिहाजा यहां पर भाजपा के प्रतिद्वंदी कांग्रेस नहीं सपा होगी। आज होगी बैठक मुरैना, ग्वालियर, गुना समेत छह सीटों की प्रत्याशियों के नाम तय करने के लिए आज केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक दिल्ली में होगी। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भाग लेंगे। उधर, बालाघाट सीट से प्रत्याशी बनाए गए सम्राट सिंह सरस्वार को लेकर विरोध के स्वर भी सुनाई दे रहे हैं। पार्टी के विधायक और विधानसभा प्रत्याशियों ने दिल्ली पहुंचकर अपनी बात रखी। सूत्रों के अनुसार कांग्रेस गुना लोकसभा सीट से जातीय समीकरण को देखते हुए प्रत्याशी उतारने की तैयारी में है। यहां से पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव ने दावेदारी जताई थी, लेकिन नेता स्थानीय व्यक्ति को प्रत्याशी बनाए जाने के पक्ष में हैं। यादव राहुल गांधी समेत वरिष्ठ नेताओं से भेंट भी कर चुके हैं। उधर, संगठन ने उन्हें लोकसभा चुनाव के लिए इंदौर संभाग की जिम्मेदारी संभालने के लिए कहा है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे।

## प्रयागराज के लिए चार अप्रैल से चलेगी स्पेशल ट्रेन, यात्रियों को मिलेगी सुविधा

**सिटी चीफ... भोपाल।** रेल प्रशासन द्वारा प्रयागराज क्षेत्र के यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन 04121/04122 सूबेदारगंज-सिकंदराबाद-सूबेदारगंज साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है, जो भोपाल मंडल के बीना, भोपाल, इटारसी स्टेशन पर ठहराव लेकर गंतव्य को जाएगी। ट्रेन 04121 सूबेदारगंज-सिकंदराबाद साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन 04 अप्रैल से 30 जून तक (09 ट्रिप) प्रति गुरुवार को सूबेदारगंज स्टेशन से दोपहर 03ः50 बजे प्रस्थान कर, रात 10ः10 बजे वीरांगना लक्ष्मीबाई पहुंचकर, अगले दिन रात 12ः20 बजे बीना पहुंचकर, रात 02ः10 बजे भोपाल पहुंचकर, सुबह 04 बजे इटारसी पहुंचकर, रात 20.00 बजे सिकंदराबाद स्टेशन पहुंचेगी। ट्रेन 04122 सिकंदराबाद-सूबेदारगंज साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन ट्रेन 06 अप्रैल से 01 अप्रैल तक (9 ट्रिप) प्रति शनिवार को सिकंदराबाद स्टेशन से सुबह 04ः30 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन शाम 7ः45 बजे इटारसी पहुंचकर, रात 9ः30 बजे भोपाल पहुंचकर, रात 12ः20 बजे बीना पहुंचकर, रात 03ः15 बजे विरांगना लक्ष्मीबाई पहुंचकर, रात 10 बजे सूबेदारगंज स्टेशन पहुंचेगी। इन स्टेशनों पर ठहराव ट्रेन रास्ते में दोनों दिशाओं में फतेहपुर, कानपुर सेंट्रल, पुखरायां, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई, बीना, भोपाल, इटारसी, नागपुर, बल्लारशाह, सिरपुर कागजनगर, मन्चेरियाल, पेडापल्ली एवं काजीपेट स्टेशनों पर रुकेगी।

# छह मंजिला बिल्डिंग के नीचे लहूलुहान हालत में मिली दसवीं की छात्रा ने अस्पताल में तोड़ा दम

*सिटी चीफ... भोपाल।* कटारा हिल्स थाना क्षेत्र के नंद विहार कालोनी की छह मंजिला बिल्डिंग के नीचे सोमवार सुबह साढ़े नौ बजे एक किशोरवय बालिका लहूलुहान हालत में मिली थी। उसे एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां मंगलवार दोपहर उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। वह बिल्डिंग से कूदी, या फिर असावधानीवश वहां से गिरी या किसी साजिश की शिकार हुई, इन सभी बिंदुओं पर पुलिस गहन रूप से जांच कर रही है। 24 घंटे बाद भी पुलिस नाबालिग की मौत का रहस्य नहीं खोल पाई है। पुलिस ने छात्रा की मौत के बाद बिल्डिंग के रहवासियों के बयान दर्ज कर लिए हैं। लेकिन पुलिस अब भी हत्या, हादसा या खुदकुशी की पहेली में उलझी हुई है। पुलिस के मुताबिक लहारपुर निवासी 15 वर्षीय मोली गोस्वामी दसवीं कक्षा की छात्रा थी। वह अपने घर से सोमवार सुबह आठ बजे किसी से मिलने जाने का बोलकर अकेली निकली थी। उसके स्वजनों ने उससे पूछा भी था कि कब तक वापस आएगी, लेकिन उसने कुछ नहीं बताया था। मोली गोस्वामी के पिता सेज यूनिवर्सिटी में स्टोर कीपर का काम करते हैं। बिल्डिंग के रहवासियों ने बताया कि सुबह साढ़े नौ बजे किसी से गिरने की जोरदार आवाज सुनाई दी थी। इस पर बिल्डिंग में रहने वाले लोग बाहर निकले तो यह लड़की नाजुक हालत में खून में लथपथ पड़ी हुई थी। उसके दोनों पैर जख्मी थे और शरीर से खून निकल रहा था। रहवासियों ने पुलिस को सूचना दी और मोली को नाजुक हालत में एम्स में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। छात्रा के पास पचास रुपये और स्कूटी की चाबी मिली टीआइ कटारा हिल्स शैलेश मिश्रा ने बताया कि छात्रा के पास से पचास रुपये और स्कूटी की चाबी मिली थी। उसकी हालत ऐसी नहीं थी कि उसके बयान दर्ज नहीं किए जा सकें। वह बिल्डिंग में किसके घर आई थी, इसकी जानकारी नहीं मिल पा रही है। कालोनी में सीसीटीवी नहीं लगे हैं, इस कारण से कोई फुटेज भी नहीं मिल पाया है। घटनास्थल के आसपास के फुटेज निकाले जा रहे हैं। इससे यह पता चल सके कि वह किस हालत में पहुंची और उसके साथ आखिरकार हुआ क्या? बिल्डिंग में रहने वाले लोगों से पूछताछ की है। किसी ने उसे इससे पहले आते-जाते नहीं देखा है।

संपादकीय

## इस्लामी पड़ोसियों से परेशान पाकिस्तान, अचानक मित्र बन गए शत्रु....

*लोक ज्ञान कहता है कि कोई भी देश अपने पड़ोसियों को नहीं चुन सकता, उसे अपने पड़ोसियों के साथ सह-अस्तित्व में रहना होता है। वर्ष 2023 में पाकिस्तान के कुछ पड़ोसी, जो दशकों से मित्र थे, अचानक शत्रु बन गए, जबकि जिसे उसने हमेशा अपना दुश्मन माना, वह अच्छा मित्र बन सकता है। पाकिस्तान चार देशों से घिरा है, जिनमें से दो-ईरान और अफगानिस्तान इस्लामी मुल्क हैं। बाकी दो देश हैं- उसका सबसे करीबी सहयोगी चीन और उसके पूर्व में भारत, जिसके साथ नियंत्रण रेखा पर लगातार झड़पें होती रहती हैं। भारत की सीमा पर दोनों ओर से हमले होते रहे हैं, जिससे दोनों तरफ के कश्मीरियों और उनकी संपत्ति को भारी नुकसान हो रहा था। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि पिछले कुछ वर्षों से दोनों देशों ने नियंत्रण रेखा पर युद्धविराम लागू करने का निर्णय लिया। युद्धविराम संधि के कारण कई वर्षों से माहौल शांतिपूर्ण है। पाकिस्तान तब हैरान रह गया, जब कुछ हफ्ते पहले ईरान ने बलूचिस्तान के अंदरूनी इलाकों पर बमबारी की। जिन इलाकों पर बमबारी की गई, वे शहरों एवं कस्बों से बहुत दूर रेतीले रेगिस्तान और पहाड़ों में स्थित थे। ईरान ने कहा कि यह हमला पाकिस्तान के खिलाफ नहीं, बल्कि कुछ ईरान-विरोधी गुटों के खिलाफ था, जो पाकिस्तान से ईरान के खिलाफ आतंकवादी हमले करते थे। अगले ही दिन, पाकिस्तानी वायु सेना ने पाकिस्तान-ईरान सीमा पर हमला किया, जिसमें कई लोग हताहत हुए। पाकिस्तान ने कहा कि उसने ईरान के अंदर उन आतंकवादी शिविरों पर हमला किया, जिनका इस्तेमाल ये आतंकवादी पाकिस्तान के खिलाफ हमले करने के लिए करते थे। वैसे इस वाकये से हैरान ईरान ने अपनी ही सरकार के भीतर कुछ मजबूत तत्वों को दोषी ठहराया, जिन्होंने ईरान की घरेलू समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए इस अवसर का उपयोग करने की कोशिश की थी। पाकिस्तान को ईरान की प्रतिक्रिया से यह स्पष्ट हो गया कि वह सीमा के दोनों ओर पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों को सुधारना चाहता है और स्थिति नियंत्रण में प्रतीत होती है। जैसा कि एक विश्लेषक ने कहा, यह न केवल दोनों पड़ोसियों के लिए अच्छा है, बल्कि इस क्षेत्र के लिए भी अच्छा है। स्थिति को और अधिक बिगड़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इसका प्रभाव पाकिस्तान की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के लिए विनाशकारी होगा। उसके बाद अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान का विवाद बढ़ गया, क्योंकि पाकिस्तान के उत्तरी इलाके वजीरिस्तान में तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने आतंकवादी हमला किया, जिसमें सेना के दो अधिकारी मारे गए और कई घायल हो गए। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने धमकी देते हुए कहा कि पाकिस्तान पर हुए इस हमले को गंभीरता से लिया जाएगा और पाकिस्तान इसका जवाब देगा। अगली सुबह पाकिस्तानी वायु सेना के बमवर्षकों ने अफगानिस्तान के भीतर हमला किया और टीटीपी के कुछ शिविरों को नष्ट कर दिया। हालांकि फिलहाल वहां शांति और सन्नाटा है। जब तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया था, तो पाकिस्तान ने अंतरिम सरकार का स्वागत किया था। उसे उम्मीद थी कि एक बार नई सरकार काम करने लगेगी और कानून-व्यवस्था में थोड़ा सुधार होगा, तो वह यह सुनिश्चित करेगा कि टीटीपी अफगानिस्तान से पाकिस्तान की धरती पर आतंकी हमले न करे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पाकिस्तान ने यह संदेश देने के लिए हर कूटनीतिक उपायों का इस्तेमाल किया। कई उच्च स्तरीय सैन्य और असैन्य प्रतिनिधिमंडल काबुल गए। उन्होंने स्पष्ट रूप से बताया था कि पाकिस्तान को किन बातों पर आपत्ति है और वह अफगानिस्तान की जमीन से आतंकवादी हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा। पर अफगानिस्तान ने इन चेतावनियों को नजरंदाज कर दिया है। अंतत: पाकिस्तान ने हजारों अवैध अफगान शरणार्थियों एवं प्रवासियों को वापस भेज दिया, जिससे काबुल नाराज हो गया। फिर पाकिस्तान ने खैबर पख्तूनख्वा में लैंडीकोटल सीमा और बलूचिस्तान में चमन सीमा पर ट्रकों को गुजरने की अनुमति नहीं देते हुए व्यापार बंद कर दिया। तालिबान सरकार ने इसकी शिकायत की और आश्वासन दिया कि वह टीटीपी को नियंत्रित करेगी। फिलहाल टीटीपी के लगभग 6,000 आतंकवादी अपने परिवारों के साथ अफगानिस्तान में शरण लिए हुए हैं, जिनमें से अधिकांश को तब सैन्य अभियान चलाकर पाकिस्तान से बाहर कर दिया गया था, जब वे सख्त शरिया नियमों और पाकिस्तान के और भी इस्लामीकरण की मांग करने लगे। जैसा कि एक विश्लेषक का कहना है, टीटीपी वस्तुत: अपने अफगान समकक्ष अफगान तालिबान का विस्तार बन गया है और हैरानी की बात नहीं कि अमेरिकी युद्ध की समाप्ति और अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में भारी वृद्धि हुई है। टीटीपी के ताजा हमलों के बाद पाकिस्तान ने आतंकी हमलों के लिए सीधे तौर पर तालिबान शासन को जिम्मेदार ठहराया है। उत्तरी वजीरिस्तान में ताजा आतंकवादी हमले के बाद आईएसपीआर ने एक बयान में कहा, अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार न केवल आतंकवादियों को हथियार दे रही है, बल्कि अन्य आतंकवादी संगठनों के लिए सुरक्षित पनाहगाह भी प्रदान कर रही है और साथ ही पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में भी शामिल है। ईरान और अफगानिस्तान, दोनों ने पाकिस्तानी वायु सेना की ताकत देखी है। पाकिस्तान की तुलना में ईरान की वायु सेना छोटी और कम प्रभावी है और वह इस बात को जानती है। अफगानिस्तान के पास वायु सेना है ही नहीं, लेकिन जवाबी कार्रवाई के तौर पर वह सीमा पार भारी जमीनी हथियारों का इस्तेमाल करेगा।*

## भस्मआरती में चंद्र, बिल्वपत्र और रुद्राक्ष की माला से सजे महाकाल, नया मुकुट किया धारण

*विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में चैत्र कृष्ण द्वितीया बुधवार तड़के भस्म आरती की गई। चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे-पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया, फिर दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत से भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और रुद्राक्ष व पुष्पों की माला धारण करवाई गई। आज के शृंगार की विशेष बात यह रही कि द्वितीया की भस्मआरती में बाबा को नवीन मुकुट पहनाया गया। चंद्र, बिल्वपत्र और रुद्राक्ष की माला से महाकाल का शृंगार किया गया। शृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई और भोग भी लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या मे श्रद्धालु पहुंचे। जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया। उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह और पुलिस अधीक्षक ने महाकाल मंदिर का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने भविष्य में इस प्रकार की अग्नि दुर्घटना ना हो इसके लिए संबंधित अधिकारियों को सख्त हिदायत दी।*

# चीन है कि बाज नहीं आ रहा, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अलग-थलग करने की जरूरत

पिछले कुछ समय से चीन बार-बार भारत के अरुणाचल प्रदेश को दक्षिणी तिब्बत के नाम से पुकार कर भारत के साथ तनाव की स्थिति पैदा करना चाह रहा है। हालांकि भारत सरकार ने बार-बार इसका खंडन करते हुए दुनिया को बताया है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अटूट अंग है। अमेरिका ने भी कड़े शब्दों में चीन को चेताते हुए कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है, लेकिन चीन अपने रवैये से बाज नहीं आ रहा है बीते आठ मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में सड़क संचार को बेहतर बनाने के लिए वहां पर सेला सुरंग मार्ग का उद्घाटन किया था। इस पर प्रतिक्रिया जताते हुए चीन ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अरुणाचल प्रदेश में इस तरह के कार्य नहीं करने चाहिए, क्योंकि यह दक्षिणी तिब्बत का क्षेत्र है। चीन के इस दावे का भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कड़े शब्दों में खंडन किया है और अरुणाचल प्रदेश पर अपने दावे को दोहराया है। कहने को तो चीन में कम्युनिस्ट शासन है, परंतु वास्तव में चीन में शी जिनपिंग की सरकार अब भी सामंतशाही प्रणाली की तरह काम कर रही है, जिसके कारण चीन की जनता त्रस्त है और वहां पर चारों तरफ तनाव देखने को मिलता है। अपनी विस्तारवादी नीति के तहत चीन ने पड़ोसी देशों की भूमि पर कब्जा करना शुरू किया और 1951 में तिब्बत पर कब्जा कर लिया। इसी नीति के तहत चीन ने अपने 16 पड़ोसी देशों की भूमियों पर अवैध कब्जे किए हैं।जब भी हमारी सरकार अरुणाचल प्रदेश में कोई भी विकास कार्य करती है, चीन आपत्ति जताने लगता है। लेकिन इस बार भारत के दावे की पुष्टि अमेरिका जैसी महाशक्ति देश ने भी की है और बहुत से पश्चिमी देश भी भारत के पक्ष में हैं। चीन और भारत के बीच में 3,488 किलोमीटर की सीमा है, जिनमें 1,597 किलोमीटर पूर्वी लद्दाख, 544 किलोमीटर हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड, 220 किलोमीटर सिक्किम तथा 1,126 किलोमीटर अरुणाचल प्रदेश में है! अरुणाचल की सीमा का अधिकांश भाग तिब्बत से सटा हुआ है! चीन के साथ लंबे समय से हमारा सीमा विवाद चल रहा है, जिसे चीन सुलझाना नहीं चाह रहा है। इसी के चलते चीन ने अक्तूबर 1962 में भारत पर हमला कर दिया, जिसके लिए भारतीय सेना तैयार न थी।

नतीजतन भारत के अक्साई चिन क्षेत्र में 38,000 वर्ग किलोमीटर पर चीन ने अवैध कब्जा कर लिया, जिस पर वह आज तक कायम है! इसके बाद सिक्किम के नाथुला पर 1967 में चीन ने हमला किया, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। फिर 1986 में अरुणाचल के सोमद्रोंचू नाम के क्षेत्र में चीन ने एक हेलीपैड बनाने की कोशिश की, जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया! इसके बाद भारत सरकार ने इस पूरे क्षेत्र में सड़क और पुलों का निर्माण किया, ताकि सेना के टैंक सीमा तक पहुंच सकें! सोमद्रोंचू की झड़प के बाद भारत और चीन के बीच तनाव कम करने के लिए वार्ताएं शुरू हुईं और 1993 एवं 1996 में चीन के साथ सीमाओं पर शांति बहाली के लिए समझौते किए गए! इन समझौतों में यह तय किया गया कि वास्तविक नियंत्रण रेखा के आसपास दोनों देशों के सैनिक बिना हथियारों के ही निगरानी करेंगे! लेकिन चीन बार-बार इसका उल्लंघन करता रहा है! हालांकि भारत ने चीन से लगती सीमा क्षेत्र में अपनी सैन्य तैयारी मजबूत की है और हवाई पट्टी, सड़क एवं पुलों का निर्माण किया है। दक्षिणी चीन सागर और हिंद महासागर में चीन की नौसैनिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए भारत ने अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड गठबंधन किया है। चीन भली-भांति भारत की तैयारी के बारे में जान चुका है, फिर भी वह समय-समय पर भारत से उलझने से बाज नहीं आ रहा है। जब तक चीचीन है कि बाज नहीं आ रहा, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अलग-थलग करने की जरूरत

न का कब्जा तिब्बत पर बना रहेगा, तब तक वह पूरे दक्षिण एशिया में भारत, बांग्लादेश और म्यांमार के लिए खतरा बना रहेगा। इसलिए भारत को मजबूती से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तिब्बत पर चीन के गैरकानूनी कब्जे के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए! चीन को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बेनकाब करने से उसकी अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा, जिसके दम पर वह एशियाई देशों को अपनी कर्ज नीति के जाल में फंसाने की कोशिश कर रहा है। ऐसा करने पर ही चीन की आक्रामक विस्तारवादी नीति पर अंकुश लगाया जा सकता है।

# भारत में चुनावों की शुरुआत अंग्रेज ही कर गए थे

*भारत की धरती पर इन संस्थाओं के क्रमिक विकास का इतिहास ईसा से हजारों साल पहले से मौजूद है। ऋग्वेद और अथर्ववेद में सभा (सामान्य सभा) और समिति (बुजुर्गों का घर) का उल्लेख मिलता है। इसके अलावा, ऐतरेय ब्राह्मण, पाणिनि की अष्टाध्यायी, कौटिल्य का अर्थशास्त्र, महाभारत, अशोक स्तंभ शिलालेख, बौद्ध और जैन ग्रंथ और अन्य ग्रंथों के अलावा हमारे इतिहास में उत्तर-वैदिक काल के दौरान कई गणराज्यों के अस्तित्व प्रमाण मौजूद हैं। लेकिन जहां तक हमारी आधुनिक संसदीय शासन प्रणाली और विधायी संस्थाओं का उद्भव तथा विकास का सवाल है तो इसे ब्रिटिश राज की विरासत जरूर माना जाएगा। भारत में 1857 की क्रांति के बाद ब्रिटिश सरकार द्वारा ईस्ट इंडिया कंपनी से भारत के शासन की बागडोर अपने हाथ में लिए जाने के बाद शुरू हुए प्रशासनिक सुधारों के साथ चुनावों की शुरुआत हो गई थी। सबसे शुरुआती चुनावों में से एक 1892 का चुनाव था, जिसने भारत में प्रतिनिधि सरकार की शुरुआत को चिह्नित किया। 1909 और 1921 के चुनाव भी महत्वपूर्ण थे, क्योंकि वे शासन में भारतीयों की भागीदारी को धीरे-धीरे बढ़ाने के लिए ब्रिटिश सरकार द्वारा शुरू किए गए संवैधानिक सुधारों का हिस्सा थे। 1919 के अधिनियम के तहत, इंपीरियल एसेंबली का विस्तार किया गया और एक द्विसदनीय विधायिका की शुरुआत की गई। निचला सदन 144 सदस्यों की विधान सभा थी, जिसमें से 104 निर्वाचित होते थे और 40 तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए नामांकित होते थे। ऊपरी सदन राज्यों की परिषद थी जिसमें 34 निर्वाचित और 26 नामांकित सदस्य होते थे और कार्यकाल पांच वर्ष का होता था। 1919 के अधिनियम में प्रशासन के विषयों को केंद्रीय और प्रांतीय के रूप में वर्गीत करने और प्रांतीय विषयों के संबंध में स्थानीय सरकारों को अधिकार हस्तांतरित करने का भी प्रावधान था और उन सरकारों को राजस्व और अन्य धन के आवंटन के लिए। ब्रिटिश शासन में जनता की भागीदारी के लिए चुनाव अवश्य हुए मगर इनमें जनता का वास्तविक प्रतिनिधित्व केवल नाममात्र का था और शासन पर असली नियंत्रण ब्रिटिश हुकूमत का ही था। इंडियन काउंसिल एक्ट 1861 में चुनाव का प्रवधान सन् 1861 के इंडियन काउंसिल एक्ट ने भारत में विधान परिषदों के लिए चुनाव का एक सीमित रूप पेश किया कर दिया था। हालांकि, उस व्यवस्था के तहत मतदाता वर्ग बहुत छोटा था, जिसमें मुख्य रूप से धनी और प्रभावशाली व्यक्ति शामिल थे। उसके बाद 1892 के इंडियन काउंसिल एक्ट ने मताधिकार को थोड़ा विस्तारित किया, जिससे अपेक्षाकृत एक बड़े वर्ग के मतदाताओं को मतदान की अनुमति मिली। इससे विधान परिषदों में निर्वाचित सदस्यों की संख्या में भी वृद्धि हुई। इसी कड़ी में इंडियन काउंसिल 1909 (मॉर्ले-मिंटो सुधार) एक्ट एक महत्वपूर्ण सुधार था। जिसने मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्रों की शुरुआत की जिसका भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने विरोध स्वरूप चुनाव का वहिष्कार किया था। उस समय विधान परिषदों में निर्वाचित सदस्यों की संख्या में वृद्धि की गई थी। हालांकि, अधिकांश सदस्य अभी भी निर्वाचित होने के बजाय नियुक्त किए गए थे। उसके बाद 1919 का भारत सरकार अधिनियम (मोंटेगु-चेम्सफोर्ड सुधार) ने निर्वाचित भारतीय जन प्रतिनिधियों और ब्रिटिश अधिकारियों के बीच सरकार की शक्तियों को विभाजित करते हुए द्वैध शासन की अवधारणा पेश की। इसने मताधिकार का भी विस्तार किया, हालांकि यह मताधिकार भी संपत्ति की योग्यता के आधार पर सीमित था। शासन में जनता की भागीदारी के लिहाज से 1935 के भारत सरकार अधिनियम ने विधान परिषदों की शक्तियों का और विस्तार किया और प्रांतीय स्वायत्तता की शुरुआत की। इसने मताधिकार का भी उल्लेखनीय रूप से विस्तार किया, हालांकि इसमें अभी भी संपत्ति की योग्यता और अन्य कारकों के आधार पर सीमाएं थीं। इसी भारत सरकार अधिनियम-1935 के तहत भारत में 1937 में पहले बड़े चुनाव हुए थे। इस चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने कई प्रांतों में बहुमत हासिल किया। इस पूरी अवधि के दौरान, भारत में चुनावों का दायरा सीमित था और वे पूरी तरह से लोकतांत्रिक सिद्धांतों को प्रतिबिंबित नहीं करते थे। हालांकि, इन चुनावों ने स्वतंत्रता के बाद भारत में लोकतांत्रिक संस्थानों के विकास की नींव रखी। प्रान्तों को मिली अधिक स्वायत्तता भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने संघीय और प्रांतीय स्वायत्तता पेश की और केंद्र और प्रांतों के बीच विधायी शक्तियों के वितरण के लिए भी प्रावधान किए। इस अधिनियम में अन्य बातों के अलावा एक अखिल भारतीय संघ की परिकल्पना की गई थी, जिसमें ब्रिटिश प्रांत और इसमें शामिल होने के इच्छुक भारतीय रियासतें शामिल थे। 1930 के गोलमेज सम्मेलन तक भारत पूरी तरह से एकात्मक राज्य था और प्रांतों के पास जो भी शक्तियां थीं वे केंद्र द्वारा उन्हें दी गई थीं अर्थात प्रांत केवल केंद्र के एजेंट थे। इस अधिनियम में पहली बार एक संघीय प्रणाली का प्रावधान किया गया जिसमें न केवल ब्रिटिश भारत के राज्यपालों के प्रांत बल्कि मुख्य आयुक्तों के प्रांत और रियासतें भी शामिल थीं। इसने अंतत: उस एकात्मक प्रणाली को तोड़ने की कोशिश की जिसके तहत ब्रिटिश भारत अब तक प्रशासित था। दरअसल, पूर्व के 1919 के अधिनियम का सिद्धांत संघ के बजाय विकेंद्रीकरण आधारित था। नए अधिनियम के तहत प्रांतों को पहली बार कानून में अलग-अलग संस्थाओं के रूप में मान्यता दी गई, जो अपने क्षेत्र में कार्यकारी और विधायी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सामान्य परिस्थितियों में केंद्रीय नियंत्रण से मुक्त थे। हालांकि, भारत सरकार अधिनियम, 1935 के लागू होने के बाद भी, भारत में केंद्र सरकार का संविधान बना रहा।

***ब्रिटिश राज का सबसे बड़ा चुनाव 1945 में*** *19 सितंबर 1945 को, वायसराय लॉर्ड वेवेल ने घोषणा की कि केंद्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं के चुनाव दिसंबर 1945 से जनवरी 1946 में होंगे। यह भी घोषणा की गई कि एक कार्यकारी परिषद का गठन किया जाएगा और इसके बाद एक संविधान-निर्माता निकाय का गठन होगा। हालांकि भारत सरकार अधिनियम 1935 में एक अखिल भारतीय महासंघ का प्रस्ताव था, लेकिन यह नहीं हो सका क्योंकि सरकार का मानना था कि रियासतें इसमें शामिल होने के लिए तैयार नहीं थीं। परिणामस्वरूप, 375 सदस्यों को चुनने के बजाय, केवल 102 निर्वाचित सीटें भरी जानी थीं। इसलिए केंद्रीय विधानमंडल के चुनाव भारत सरकार अधिनियम 1919 की शर्तों के तहत आयोजित किए गए थे। इस चुनाव में केन्द्रीय एसेंबली के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 102 निर्वाचित सीटों में से 57 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। उस चुनाव में मुस्लिम लीग को 30 ने अकाली दल को 2, यूरोपियन को 8 और निर्दलियों को को 5 सीटें मिली थी। ये ब्रिटिश भारत में आखिरी आम चुनाव थे। इस चुनाव के बाद वायसराय की अंतरिम काउंसिल या कैबिनेट का गठन हुआ। इसमें कांग्रेस के सदस्यों ने 2 सितम्बर 1946 को कार्यभार ग्रहण किया तथा मुस्लिम लीग के सदस्य पहले नानुकुर के बाद 26 अक्तूबर 1946 को इसमें शामिल हुए। वायसराय की इस कैबिनेट में पंडित जवाहरलाल नेहरू वायसराय और कमांडर इनचीफ के बाद तीसरे और सरदार पटेल चैथे नम्बर पर थ। सत्ता हस्तातरण की व्यवस्थाओं के लिसे वायसराय ने 1947 में कैबिनेट का पुनर्गठन किया और उसमें भी पंडित नेहरू अन्य सदस्यों में सबसे ऊपर थे।*

# धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही स्वातंत्र्य वीर सावरकर, कैसा रहा अन्य फिल्मों का हाल

सिनेमा लोगों के मनोरंजन का प्रमुख साधन है। थिएटर्स में इन दिनों बहुत सी फिल्में प्रदर्शित हो रही हैं। इनमें से कुछ को लोगों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। वहीं, कई फिल्में दर्शकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी हैं। हाल ही में रिलीज हुई स्वातंत्र्य वीर सावरकर, योद्धा और मडगांव एक्सप्रेस कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी हैं। वहीं, शैतान और आर्टिकल 370 अच्छी कमाई करने में सफल रही हैं। आइए जानते हैं कि मंगलवार को किस फिल्म का प्रदर्शन कैसा रहा...स्वातंत्र्य वीर सावरकर में रणदीप हुड्डा की अदाकारी की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं। हालांकि, कमाई के मामले में यह फिल्म अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी है। धीमी शुरुआत के बाद यह फिल्म अब तक रफ्तार नहीं पकड़ सकी है। पहले दिन इस फिल्म ने एक करोड़ पांच लाख रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, ताजा आंकड़ों के मुताबिक इस फिल्म ने पांचवें दिन एक करोड़ 10 लाख रुपये की कमाई की। फिल्म का कुल कारोबार अब नौ करोड़ 15 लाख रुपये हो गया है। फिल्म मडगांव एक्सप्रेस भी टिकट खिड़की पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी है। कुणाल खेमू के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दिव्येंदु, प्रतीक गांधी, अविनाश तिवारी, नोरा फतेही, उपेंद्र लिमये और छाया कदम जैसे प्रतिभाशाली कलाकार हैं। इसके बावजूद फिल्म को दर्शकों का प्यार नहीं मिल सका है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने पांचवें दिन एक करोड़ 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 11.15 करोड़ रुपये हो गई है।सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म योद्धा से लोगों को काफी उम्मीदें थीं। एक्शन से भरपूर यह फिल्म भी औसत से नीचे ही कमाई कर सकी है। फिल्म में राशि खन्ना और दिशा पाटनी भी हैं। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। पहले सप्ताह में फिल्म का कलेक्शन 25.25 करोड़ रुपये रहा था। ताजा आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने 12वें दिन 83 लाख रुपये कमाए हैं। अब फिल्म की कुल कमाई 31.68 करोड़ रुपये हो गई है। फिल्म शैतान बॉक्स ऑफिस पर अब भी अपने पांव जमाए हुए है। समीक्षकों और दर्शकों की मिश्रित प्रतिक्रिया के बावजूद यह फिल्म ठीक ठाक कारोबार करने में कामयाब रही है। 65 करोड़ की लागत से बनी इस फिल्म ने 19वें दिन दो करोड़ सात लाख रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल 130.77 करोड़ रुपये हो गया है।यामी गौतम की आर्टिकल 370 बॉक्स ऑफिस पर हिट हो चुकी है। कम बजट में बनकर तैयार हुई इस फिल्म को लोगों ने खूब पसंद किया है। 33वें दिन इस फिल्म ने 23 लाख रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 76.28 करोड़ रुपये हो गई है।

# ग्राजिया यंग फैशन अवार्ड्स में सितारों का लगा मेला , दिशा ने लूटी महफिल

मुंबई में कल रात फैशन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले हस्तियों को सम्मानित करने के लिए ग्राजिया यंग फैशन अवार्ड्स 2024 का आयोजन किया गया। बॉलीवुड से लेकर फैशन जगत कई दिग्गज सितारों ने इसमें भाग लिया। आइए आपको दिखाते हैं ग्राजिया यंग फैशन अवार्ड्स की कुछ खूबसूरत झलकियां --- बॉलीवुड में अपनी खूबसूरती और ग्लैमर के लिए मशहूर दिशा पाटनी ग्राजिया यंग फैशन अवार्ड्स 2024 में सबका ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने में कामयाब रहीं। सफेद रंग के ऑफ-शोल्डर ड्रेस में दिशा बला की खूबसूरत लग रही थीं। एनिमल फिल्म से सुर्खियों में आए बॉबी देओल भी ग्राजिया यंग फैशन अवार्ड्स 2024 में शामिल होने पहुंचे थे। ब्लैक जैकेट में बॉबी जंच रहे थे। मर्डर मुबारक की अभिनेत्री करिश्मा कपूर बेहद स्टाइलिश अंदाज पिंक कार्पेट पर जलवा बिखेरती नजर आईं। उनके अलावा करन जौहर और जैमी लीवर लोगों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने में कामयाब रहे। बॉलीवुड में अपने स्टाइल के लिए मशहूर सनी लियोनी भी ग्राजिया यंग फैशन अवार्ड्स 2024 में अपने स्टाइलिश अंदाज में नजर आईं। खो गए हम कहां स्टार अनन्या पांडे बॉस लेडी के अवतार में ग्राजिया यंग फैशन अवार्ड्स 2024 में पहुंचीं। अनन्या के अलावा मौनी रॉय भी ऑफ शोल्डर ड्रेस में बला की खूबसूरत दिखीं।

# हुक्का पार्लर में रेड के बाद हिरासत में लिए गए मुनव्वर फारूकी, पूछताछ के बाद पुलिस ने छोड़ा

बिग बॉस 17 के विजेता मुनव्वर फारुकी और 13 अन्य को कल रात फोर्ट इलाके में हुक्का बार में छापेमारी के मामले में हिरासत में लिया गया। उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के बाद सभी आरोपियों को रिहा कर दिया गया।

**पूछताछ के बाद रिहा हुए मुनव्वर** मुनव्वर फारुकी एक प्रमुख भारतीय स्टैंड-अप कॉमेडियन और रैपर हैं। बीती रात दक्षिण मुंबई के फोर्ट में एक हुक्का पार्लर में पुलिस की छापेमारी के दौरान हिरासत में लिए गए व्यक्तियों के एक समूह में वे शामिल थे। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह छापेमारी की गई थी। अधिकारियों ने हर्बल की आड़ में तंबाकू आधारित हुक्का पीने का संदेह में मुनव्वर फारुकी सहित एक दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में लिया था। हालांकि, बाद में उन्हें पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया।

**पुलिस ने कही यह बात** एक अधिकारी ने इस बारे में बात करते हुए कहा, हमारी टीम को हर्बल की आड़ में तंबाकू के इस्तेमाल की जानकारी मिली थी जिसके बाद हुक्का बार पर छापा मारा गया था। हमने इस्तेमाल किए गए पदार्थों की प्रकृति का निर्धारण करने के लिए विशेषज्ञों को बुलाया था। हिरासत में लिए गए लोगों में फारुकी भी शामिल थे।

**आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज** पुलिस के मुताबिक हिरासत में लिए गए सभी आरोपियों से पूछताछ के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक फिलहाल सभी को रिहा कर दिया गया है। हाल ही में मुनव्वर फारूकी ने बिग बॉस सीजन 17 जीता है। इस शो को जीतने के बाद उनकी लोकप्रियता में और अधिक इजाफा देखने को मिला है।

## बेहद कम समय में शूट हुईं ये फिल्में, लिस्ट में अक्षय और कार्तिक की मूवीज भी शामिल

फिल्मों को बनाने के पीछे एक बड़ी टीम की मेहनत होती है। किसी भी प्रोजेक्ट को तैयार कर पर्दे पर उतारने में काफी समय लगता है। कहानी फाइनल करने से लेकर शूटिंग करने तक में कई महीने लग जाते हैं। हालांकि, वक्त के साथ अब लंबे शूटिंग शेड्यूल का यह चलन भी बदल रहा है। आज हम आपको कुछ ऐसी फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं जो कम समय पूरी हो गई।

# क्या इतनी मोटी रकम में बिके कल्कि 2898 एडी के हिंदी डिजिटल राइट्स? फिल्म को लेकर आया नया अपडेट

प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी इन दिनों लगातार सुर्खियों बनी हुई है। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन जैसे सितारे भी नजर आने वाले हैं। इन सुपरस्टार्स को एक साथ बड़े पर्दे पर देखने के लिए दर्शकों काफी ज्यादा उत्साहित है। इस फिल्म को लेकर लोगों के बीच काफी ज्यादा बज बन चुका है। इस बीच फिल्म के ओटीटी राइट्स को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के हिंदी संस्करण के डिजिटल राइट्स 175 करोड़ में बेचे गए हैं। रिपोर्ट्स के दावों की मानें तो इसके लिए कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने जोर लगाया, लेकिन अंत में यह बाजी नेटफ्लिक्स के हाथ लगी। इससे पहले कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि फिल्म के दक्षिण भारतीय संस्करणों के डिजिटल अधिकार प्राइम वीडियो ने हासिल कर लिए हैं। चर्चा थी कि यह राइट्स ओटीटी प्लेटफॉर्म ने 150 करोड़ रुपये में खरीदे हैं। रिपोर्ट्स में किए गए दावे अगर सच साबित होते हैं तो यह भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी डिजिटल डील में से एक होगी। कल्कि 2898 एडी एक साइंस फिक्शन फिल्म है, जिसमें लोगों को दमदार कहानी के साथ शानदार वीएफएक्स से भरपूर एक्शन देखने को मिलेगा। इसे कई भाषाओं में पैन इंडिया रिलीज किया जाएगा। हाल ही में अभिनेता कमल हासन ने खुलासा किया था कि वे इस फिल्म में कैमियो रोल में नजर आएंगे। वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रभास हाल ही में सलार में नजर आए थे। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने टिकट खिड़की पर अच्छी कमाई की थी। उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट की बात करें तो वे संदीप रेड्डी वंगा की स्पिरिट और मारुति की फिल्म राजा साहब में नजर आने वाले हैं।

# 'बड़े मियां छोटे मियां' का धमाकेदार 3 मिनट 32 सेकंड का ट्रेलर रिलीज

मुंबई । बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर 'बड़े मियां छोटे मियां' फिल्म के गाने रिलीज होने के बाद से ही दर्शक फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। दर्शकों के उत्साह को देखते हुए आज फिल्म का कुल 3 मिनट 32 सेकंड का शानदार ब्लॉकबस्टर ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। इसमें अक्षय-टाइगर जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में अक्षय और टाइगर देश को आतंकी हमले से बचाने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। ट्रेलर की शुरुआत में हेलीकॉप्टर और सेना की गाड़ियां नजर आती हैं। तभी बैकग्राउंड में एक खतरनाक दुश्मन की आवाज आती है, एक ऐसा दुश्मन जो मौत से भी नहीं डरता। उनके इस दुश्मन का न तो कोई नाम है और न ही कोई पहचान। इस दुश्मन का एक ही लक्ष्य है और वह है बदला। तभी एक जोरदार धमाका होता है और कारें किसी खिलौने की तरह उड़ने लगती हैं। जब एक अधिकारी नकाब पहने व्यक्ति से पूछता है कि तुम कौन हो, तो वह कहता है, 'मैं प्रलय हूं'।बड़े मियां छोटे मियां अली अब्बास जफर द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म का निर्माण वासु भगनानी, दीपशिखा देशमुख, जैकी भगनानी, हिमांशु किशन मेहरा और अली अब्बास जफर ने किया है। यह फिल्म 10 अप्रैल को ईद के मौके पर बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। अक्षय कुमार आखिरी बार 'मिशन रानीगंज' में नजर आए थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाई नहीं की।

## दर्शकों के बीच लोकप्रिय ये फिल्में असल में हैं बॉक्स ऑफिस फ्लॉप, लिस्ट के नाम कर देंगे हैरान

किसी भी फिल्म की सफलता आमतौर पर बॉक्स-ऑफिस पर की गई कमाई के आधार पर मापी जाती है। हालांकि, बहुत सी ऐसी भी फिल्में हैं जिन्होंने टिकट खिड़की पर भले ही अच्छी कमाई न की हो, लेकिन अपनी शानदार कहानी, अभिनय और संवाद की वजह से दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी। आज हम आपको कुछ ऐसी फिल्मों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो लोगों के बीच लोकप्रिय हैं, लेकिन असल में वे व्यावसायिक रूप से फ्लॉप थीं।

**अंदाज अपना अपना** आमिर खान, सलमान खान, करिश्मा कपूर और रवीना टंडन जैसे बड़े नामों से सजी फिल्म अंदाज अपना अपना की गिनती कल्ट क्लासिक फिल्मों में होती हैं। दर्शक इसे आज भी देखकर अपनी हंसी पर काबू नहीं कर पाते। हालांकि, आपको जानकर हैरानी होगी कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी।

**स्वदेस**शाहरुख खान को बॉलीवुड का बादशाह भी कहा जाता है। अपनी बेहतरीन अदाकारी से वे करोड़ों दिलों पर राज करते हैं। किंग खान शानदार फिल्मों में स्वदेस का नाम भी जरूर शामिल किया जाता है। आशुतोष गोवारिकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म को कल्ट क्लासिक का दर्जा प्राप्त है। रिलीज के समय यह फिल्म कमाई के मामले में बॉक्स ऑफिस पर असफल रही थी, लेकिन वक्त गुजरने के साथ साथ इस फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

**सूर्यवंशम** टीवी देखने के शौकीन लोगों ने अपनी जिंदगी में एक न एक बार सूर्यवंशम जरूर देखी होगी। यह फिल्म छोटे पर्दे पर अनगिनत पर दिखाई जा चुकी है। अमिताभ बच्चन स्टारर यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नहीं चल सकी थी, लेकिन छोटे पर्दे पर आने के बाद इसे लोगों की खूब प्रशंसा मिली।

**नायक** इस लिस्ट में अनिल कपूर की फिल्म नायक का नाम भी शामिल है। फिल्म में उन्होंने मुख्यमंत्री का रोल निभाया था। दर्शकों के बीच इस फिल्म ने खूब लोकप्रियता हासिल की। हालांकि, शंकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म व्यवसायिक रूप से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी थी, जिसकी वजह से इसे फ्लॉप करार दिया गया था।

# राम चरण का जन्मदिन आज, आइए जानते हैं उनके बारे में कुछ दिलचस्प बातें

साउथ के सुपरस्टार राम चरण बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुके हैं। पिछले साल फिल्म आरआरआर के गाने 'नाटू-नाटू' के लिए ऑस्कर की ट्रॉफी जीत चुके अभिनेता आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। आइए आपको रामचरण के जन्मदिन पर उनसे जुड़ी कुछ अनसुनी बातें बताते हैं--- साल 2013 में राम चरण ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। वे फिल्म जंजीर की रीमेक में प्रियंका चोपड़ा के साथ नजर आए थे। दर्शकों को इस फिल्म में उनका अभिनय काफी पसंद आया था। फिल्म आरआरआर में स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका चुके राम चरण एक स्वतंत्रता सेनानी के पोते हैं। उनके नाना अल्लू राम लिंगैया एक प्रसिद्ध अभिनेता होने के साथ-साथ भारत के स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए थे। राम चरण ने साल 2016 में आई एक्शन ड्रामा फिल्म ध्रुव में खुद से एक्शन किया था। उन्होंने किसी भी स्टंट के लिए किसी स्टंटमैन से मदद नहीं लिया था। राम चरण एक सफल अभिनेता होने के साथ-साथ एक बेहतरीन पति और पिता भी हैं। अभिनेता अक्सर सोशल मीडिया के जरिए अपनी पत्नी पर प्यार लुटाते नजर आते हैं। वे अपने जमाने के सुपरस्टार चिरंजीवी के बेटे हैं। राम चरण और राणा दग्गुबाती बचपन के दोस्त हैं।

# ओटीटी पर रिलीज होगी बॉबी देओल की वेब सीरीज आश्रम-4

मुंबई । बॉबी देओल की फेमस वेब सीरीज 'आश्रम' एक बार फिर सुर्खियां बटोर रही है। दरअसल, इस वेब सीरीज में भोपा स्वामी का किरदार निभाने वाले अभिनेता चंदन रॉय सान्याल ने 'आश्रम 4' पर बड़ा अपडेट दिया है। चंदन ने एक दिए इंटरव्यू में उनकी मोस्ट अवेटेड वेब सीरीज के चौथे पार्ट की रिलीज पर बात की है। यदि आप बॉबी देओल और चंदन रॉय सान्याल के फैन हैं और 'आश्रम 4' के रिलीज का इंतजार कर रहे हैं तो आपको चंदन का इंटरव्यू जरूर पढ़ना चाहिए।

**कब रिलीज होगा चौथा सीजन?** चंदन ने बताया कि वह जहां भी जाते हैं लोग उनसे उनकी वेब सीरीज 'आश्रम' के अगले पार्ट के बारे में ही पूछते हैं। ऐसे में चंदन ने 'आश्रम-4' की रिलीज पर अपडेट देते हुए कहा, 'मैं आश्रम के सारे दर्शकों को बताना चाहता हूं कि आश्रम का चौथा सीजन इसी साल रिलीज होगा। सीरीज शूट हो चुकी है और सारी तैयारियां भी हो चुकी हैं।' माना जा रहा है कि 'आश्रम-4' दिसंबर के महीने में ओटीटी पर स्ट्रीम होगा। हालांकि, अभी तक रिलीज डेट कन्फर्म नहीं हो पाई है।

**आ गया है आश्रम-4 का टीजर** 'आश्रम' के चौथे सीजन का टीजर जून 2022 में ही रिलीज हो चुका था। बॉबी देओल ने टीजर शेयर करते हुए लिखा था, बाबा अंतर्यामी हैं, वो आपके मन की बातें जानते हैं। इसलिए आश्रम 3 के एपिसोड्स के साथ, आश्रम-4 की एक झलक भी साथ लाए हैं सिर्फ एमएक्स प्लेयर पर।

# सारा अली खान का राजनीति में जाने की इच्छा, वायरल हुआ पुराना वीडियो

नई दिल्ली । कंगना रनौत ने राजनीति में कदम रख दिया है। उन्हें भारतीय जनता पार्टी ने हिमाचल प्रदेश के मंडी से लोकसभा उम्मीदवार बनाया है। काफी समय से चर्चा थी कि वह चुनाव लड़ सकती हैं। कंगना को टिकट मिलते ही सारा अली खान का एक पुराना वीडियो वायरल हुआ है। उन्होंने राजनीति में जाने की दिलचस्पी दिखाई है। वीडियो में एक्ट्रेस ने जाह्नवी कपूर को अपना बेस्ट फ्रेंड नहीं बताया। उनका कहना है कि वे बस अच्छे दोस्त हैं।

**सारा को राजनीति में दिलचस्पी** सारा की दो फिल्में 'मर्डर मुबारक' और 'ऐ वतन मेरे वतन' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई है। दोनों फिल्मों को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। 'मर्डर मुबारक' के प्रमोशन के दौरान में सारा ने कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी से बात की। अनुभव ने उनसे ट्रू और फॉल्स का सवाल पूछा। उन्होंने कहा, 'आगे चलकर सारा अली खान राजनीति में शामिल होना चाहती हैं।' इस पर एक्ट्रेस ने कहा, 'हां, वह जा सकती है।'

**नेटिजन्स क्या बोले** वीडियो को रेडिट पर शेयर किया गया है। कमेंट में एक यूजर ने लिखा, 'कोई भी फील्ड नहीं छोड़ेंगे ये लोग।' एक यूजर ने कहा, 'वह अपनी नानी रुखसाना सुल्तान के रास्ते पर चलती दिखती हैं। वह संजय गांधी की करीबी थीं।' एक ने कहा, 'वह अच्छा बोल लेती हैं जो कि राजनीति में उन्हें मदद करेगा। उन्हें पता है कि मार्केट में किस तरह खुद को बहुत अच्छे तरीके से प्रस्तुत कर सकते हैं।' एक ने लिखा, 'अगर कंगना या हेमा मालिनी बन सकती हैं तो कोई भी बन सकता है।

# स्टेट प्रेस क्लब के आयोजन में आम चुनाव में मीडिया की भूमिका पर हुई सार्थक चर्चा

## पत्रकारिता जनसंचार और जनजागरण का माध्यम बने, जनसंपर्क का नहीं -केजी सुरेश

इंदौर। पत्रकारिता लोगों तक समाचार पहुंचाने और जन-जागरण का माध्यम बने, लेकिन किसी भी व्यक्ति या पार्टी के जनसंपर्क का माध्यम न बने। सरकारें बनाना या गिराना मीडिया का काम नहीं है। पत्रकारिता आज भी समाप्त नहीं हुई है सिर्फ अच्छी पत्रकारिता की लोगों तक पहुंच थोड़ी मुश्किल हुई है। ये बातें माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. (डॉ.) केजी सुरेश ने स्टेट प्रेस क्लब, मध्यप्रदेश द्वारा आम चुनावों में मीडिया की भूमिका विषय पर आयोजित परिसंवाद में मुख्य वक्ता के रूप में कहीं। उन्होंने कहा कि पाठक के मन में किसी पत्रकार को लेकर यह जिज्ञासा होना चाहिए कि उसने क्या लिखा है, यह जिज्ञासा नही होनी चाहिए कि ऐसा उसने क्यों लिखा है। आज त्रासदी यह है कि यादातर मीडिया हाउस ग्राउंड रिपोर्टिंग के लिए खर्चा करने के लिए तैयार नहीं हैं। दिल्ली में बैठकर पूरे देश की खबरें तैयार की जाती हैं। लाइब्रेरी जाने या संदर्भ रखने की परंपरा भी समाप्त हो गई है। उन्होंने श्री रामनाथ गोयनका पत्रकारिता सम्मान के निर्णायक बतौर अपने तीन वर्षों के अनुभव से कहा कि अछी पत्रकारिता समाप्त नहीं हुई, सिर्फ उस तक पहुंच मुश्किल हुई है। आज भी रवीश कुमार का कार्यक्रम पूरे देश एनडीटीवी के ऐप की व्यूअरशिप से ज़्यादा देखा जाता है। उन्होंने कहा कि मीडिया पार्टियों के प्रदर्शन, उनके द्वारा किए गए वादों के पूरा होने की स्थिति, प्रत्याशियों की पृष्ठभूमि आदि की जानकारी देकर जागरूकता बढ़ाएं लेकिन जनता की ओर से सोचने का काम कतई ना करें। 1977 में इमरजेंसी के बाद जनता के बिना सोशल मीडिया की ताकत या संगठित प्रयास के भी उसे क्या करने है, यह तय करने का विवेक दिखाया था। आज पत्रकारिता पक्षकारिता में बदल रही है, इसलिए गोदी मीडिया जैसी तोहमतें झेलनी पड़ती हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि चुनावी पत्रकारिता का उद्देश्य किसी पार्टी की जीत नहीं बल्कि देश और लोकतंत्र की जीत होनी चाहिए। इससे पूर्व विशेष वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में वरिष्ठ पत्रकार श्री रमण रावल ने कहा कि राजनीतिक पत्रकारिता आसान नहीं होती। किसी दल या नेता अथवा मुद्दे के जनता पर असर का विश्लेषण भी करना होता है और किसी का पक्ष ना लेने की दुविधा भी रहती है, वरना पत्रकार पर ठप्पा लगने का अंदेशा रहता है। उन्होंने 2018 में मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने की एक्सीडेंट बताते हुए कहा कि कांग्रेस का ग्राफ लगातार नीचे गया है तथा इन चुनावों में जनमानस में किसी विशेष फर्क का कोई कारण नज़र नहीं आता। स्टेट प्रेस क्लब, मध्यप्रदेश द्वारा एमसीयू के साथ पत्रकारों के लिए विशेष दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन विगत दिनों किया गया था जिसके प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी इस आयोजन में डॉ. सुरेश ने प्रदान किए। उन्होंने कहा कि वे पूरे देश में अपने व्याख्यान के दौरान ऐसे आयोजनों में भाग लेने के लिए आमंत्रण देते हैं लेकिन जिस तत्परता से स्टेट प्रेस क्लब, मप्र ने इस कार्यशाला के लिए हामी भरकर तैयारी की वह अद्भभुत था। यह विश्विद्यालय द्वारा अलग अलग मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधियों के लिए आयोजित पहली कार्यशाला थी और इस मायने में ऐतिहासिक थी। उन्होंने इस आयोजन के लिए क्लब के अध्यक्ष की भूरि-भूरि प्रशंसा की। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रवीण खारीवाल, अजय भट्ट, गणेश एस.चौधरी, सोनाली यादव, मोहनलाल मंत्री, कृष्णकांत रोकड़े, सुनील वर्मा एवं शान ठाकुर ने किया। स्वागत उद्बोधन श्री प्रवीण कुमार खारीवाल ने दिया। कार्यक्रम का संचालन आलोक बाजपेयी ने किया जबकि आभार प्रदर्शन कार्यक्रम की संयोजिका रचना जौहरी ने किया।

# "मतदान मेरा अधिकार है, समृद्धि सुरक्षित भविष्य का आधार है"

### स्वीप गतिविधियाँ के माध्यम से मतदाताओं को किया जा रहा है जागरूक

### अपना कर्तव्य निभायें-13 मई को वोट अवश्य दे - जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री मित्तल

बुरहानपुर-"होली के रंग लोकतंत्र के संग" स्वीप गतिविधियों के तहत मतदाताओं को अपना वोट देने के लिये प्रेरित किया जा रहा है। जिले में नगरीय क्षेत्रान्तर्गत वार्डों में एवं ग्रामीण क्षेत्रान्तर्गत पंचायतों में जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रहीं है। इसी कड़ी में होली के पर्व पर मतदाताओं को रंगों के त्यौहार की शुभकामनाओं के साथ उन्हें लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का भी आव्हान किया गया। गली, मोहल्लों एवं घर-घर जाकर मतदाताओं को प्रेरित किया गया। उन्हें अपने वोट का महत्व समझाते हुये मतदान करने की अपील भी की गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री भव्या मित्तल के निर्देशानुसार जिले में व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता अभियान का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। निर्देशों के परिपालन में भगोरिया हाट उत्सव में स्थानीय भाषा में मतदाताओं को जागरूक किया गया। महाविद्यालयीन स्तर पर छात्र-छात्राएँ स्वीप गतिविधियों में सहभागिता कर रहे है। सेवा सदन महाविद्यालय की छात्रा नंदिनी मौर्य द्वारा मतदाताओं को बताया जा रहा है कि, 13 मई 2024 को हमारे जिले में लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के महत मतदान होना है। आप अपना वोट जरूर दे और अपने आसपास के नागरिकों को भी मतदान के लिये प्रेरित करें। मतदान दिवस पर अपनी निष्पक्ष भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु मतदान की शपथ भी दिलाई गई। नगर परिषद शाहपुर द्वारा "मतदान मेरा अधिकार है, समृद्धि सुरक्षित भविष्य का आधार है" की तर्ज पर रंगोली बनाकर मतदाताओं को जागरूक संदेश दिया गया।

## मुख्यमंत्री डॉ यादव आज जबलपुर, छिंदवाड़ा और बालाघाट चुनाव प्रचार पर

जबलपुर, छिंदवाड़ा और बालाघाट में भाजपा प्रत्याशियों की नामांकन रैली में भाग लेंगे.... मुख्यमंत्री के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा, नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद पटेल भी नामांकन रैली में रहेंगे उपस्थित..... मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव प्रातः 10.30 बजे भोपाल से जबलपुर पहुंचकर शहीद स्मारक पर आयोजित आमसभा में भाग लेंगे.... इसके पश्चात् रोड शो में भाग लेंगे और दोपहर 12 बजे भाजपा प्रत्याशी श्री आशीष दुबे के नामांकन के दौरान उपस्थित रहेंगे.... डॉ यादव दोपहर 12. 45 बजे छिंदवाड़ा पहुंचकर दशहरा मैदान में भाजपा प्रत्याशी श्री विवेक साहू बंटी के समर्थन में आमसभा को करेंगे सम्बोधित और नामांकन रैली में होंगे शामिल..... डॉ यादव छिंदवाड़ा से बालाघाट पहुंचेंगे दोपहर 2.20 बजे भाजपा प्रत्याशी श्रीमती डॉ भारती पारधी के कलेक्टरेट में नामांकन दाखिल करते समय उपस्थित रहेंगे। इसके पश्चात् रोड शो और विशाल आमसभा में भाग लेंगे।

## पति ने देर रात पत्नी को उतारा मौत के घाट....

इंदौर में एक महिला की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। महिला को देर रात अस्पताल ले जाया गया। यहां महिला की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने महिला के पति को हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक घटना लसूड़िया थाना इलाके की है। दीपा वर्मा (36) को उसके पति शेलेन्द्र ने ही चाकू मारा है। महिला की मौत देर रात लगभग तीन बजे हुई है। भाई ने पुलिस को बताया कि दीपा पर जीजा शेलेन्द्र चरित्र को लेकर शंका करता था। इसके चलते आए दिन उनके बीच विवाद होते थे।शेलेन्द्र बीजेपी विधायक की फालगुनी होटल में काम करता है। रात 11 बजे वह घर पहुंचा। पत्नी से उसका विवाद हो गया। रात 1 बजे के आसपास उसने पत्नी को 12 बार से अधिक चाकू घोंपा। महिला की चीख सुनकर उसकी दोनों बेटियां जग गईं। उन्होंने शोर मचाया। लेकिन मदद के लिए कोई नही पहुंचा। बाद में मामा धीरज को कॉल किया। वह घर पहुंचे। बहन को रात 3 बजे एमवाय ले गए। लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। खुद किया सरेंडर पुलिस के मुताबिक शेलेन्द्र वर्मा को होटल की तरफ से सर्वेट क्वार्टर मिले हुए थे। वह यहां माली का काम देखता है। यहीं उसने पत्नी की हत्या की है। दोनों की शादी को 14 साल हो गए हैं। बड़ी बेटी 13 साल ओर छोटी बेटी 6 साल की है। विवाद के पीछे आपसी कहासुनी बताई जा रही हैं। रात में ही शेलेन्द्र ने थाने जाकर सरेंडर कर दिया है। पुलिस शेलेन्द्र से भी हत्या को लेकर पूछताछ कर रही है।

## रतलाम शहर में एक सहायक मतदान केंद्र स्थापित, एक मतदान केंद्र का भवन परिवर्तित

रतलाम / लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत रतलाम शहर में एक सहायक मतदान केंद्र स्थापित किया गया है। शहर के मतदान केंद्र क्रमांक 35 के तहत 1500 से अधिक मतदाता हो जाने के कारण इसका एक सहायक मतदान केंद्र क्रमांक 35 (क) न्यू अर्पित कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल कक्ष क्रमांक 4 नयागांव में स्थापित किया गया है।इसी प्रकार पूर्व में डैफोडिल हायर सेकेंडरी स्कूल इंदिरा नगर के मुख्य गेट के बाई और स्थापित मतदान केंद्र क्रमांक 26 का भवन परिवर्तन करते हुए अब उक्त मतदान केंद्र गुरु रामदास पब्लिक स्कूल इंदिरा नगर कक्ष क्रमांक 12 में स्थापित किया गया है।जावरा में भी एक सहायक मतदान केंद्र स्थापितइसी प्रकार जिले के जावरा में भी एक सहायक मतदान केंद्र स्थापित किया गया है। जानकारी के अनुसार मतदान केंद्र क्रमांक 235 के मतदाताओं की संख्या 1500 से अधिक होने के कारण अब एक सहायक मतदान केंद्र शासकीय प्राथमिक विद्यालय नूतन क्रमांक 2 रामबाग कमरा नंबर 4 में स्थापित किया गया है।

## जागरूकता प्रचार रथ मतदाताओं को कर रहा है जागरूक

रतलाम निर्वाचन आयोग द्वारा रतलाम को भेजे गए प्रचार रथ द्वारा रतलाम शहर में मतदाता जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। प्रचार रथ शहर के विभिन्न क्षेत्र में भ्रमण कर रहा है। प्रतिदिन मतदाताओं को अधिकाधिक मतदान के लिए जागरुक कर रहा है। रथ पर एलईडी वॉल स्थापित की गई है जिस पर जागरूकता संबंधी कार्यक्रम दिखाई जा रहे हैं।

## चुनावी पेम्पलेट, पोस्टर, हैण्ड बिल प्रकाशक व मुद्रक के नाम, पते वर्णित

### किए बिना प्रकाशित तथा मुद्रित नहीं करेंगे

रतलाम / लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दौरान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 (क) अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार के चुनावी पेम्पलेट या पोस्टर, हैण्डबिल या अन्य दस्तावेज प्रकाशक या मुद्रक के नाम, पता वर्णित किए बिना और प्रकाशक की घोषणा जो दो व्यक्तियों द्वारा अनुप्रमाणित की गई हो, प्राप्त किए बगैर निर्वाचन के लिए न तो प्रकाशित व मुद्रित करेंगे और ना ही मुद्रण या प्रकाशन का कार्य करेंगे।समस्त प्रेस, मुद्रकों, प्रकाशकों की जिम्मेदारी है कि वे दस्तावेज के मुद्रण के बाद युक्तिसंगत समय के भीतर घोषणा पत्र आदि दस्तावेज यथा मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग तथा सहायक रिटर्निंग अधिकारी को उपलब्ध कराएंगे।सभी प्रिंटिंग प्रेस, मुद्रक, प्रकाशक, फ्लेक्स, बैनर निर्माता आदि को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 (क) के निर्बंधन से अवगत कराया गया है कि कोई भी व्यक्ति कोई ऐसी निर्वाचन पुस्तिका या पोस्टर जिसके मुख पृष्ठ पर उसके मुद्रण और प्रकाशक के नाम और पते नहीं, मुद्रित या प्रकाशित नहीं करेगा और ना मुद्रित या प्रकाशित करवाएगा। कोई भी व्यक्ति किसी निर्वाचन पुस्तिका या पोस्टर को उस दशा के सिवाय न तो मुद्रित करेगा और न करवाएगा, जिसमें वह उसके प्रकाशक की अनन्यता के बारे में अपने द्वारा हस्ताक्षरित और ऐसे दो व्यक्तियों द्वारा जो उसे स्वयं जानते हैं अनुप्रमाणित द्विपत्ति की घोषणा मुद्रक की परिदत्त कर देता है तथा उस दशा में के सिवाय न तो मुद्रित करेगा और न करवाएगा जिसमें कि मुद्रक घोषणा पत्र की एक प्रति दस्तावेज की एक प्रति सहित। उस दशा में जिसमें कि वह राज्य की राजधानी में मुद्रित की जाती है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को तथा किसी अन्य दशा में उस जिले के जिसमें कि मुद्रित की जाती है जिला दण्डाधिकारी को दस्तावेज के मुद्रण के पश्चात् युक्तियुक्त के भीतर भेज देता है।इस धारा के प्रयोजन के लिए दस्तावेज की अनेकानेक प्रतियां बनाने की ऐसी किसी प्रक्रिया के बाबत् जो हाथ से नकल कलके ऐसी प्रतियां बनाने से भिन्न है, यहां समझा जाएगा कि वह मुद्रण है और (मुद्रक) पद का अर्थ तद्नुसार लगाया जाएगा। निर्वाचन पुस्तिका या पोस्टर से किसी अभ्यर्थी या अभ्यर्थियों का समूह के निर्वाचन को सम्प्रवर्तित या प्रतिकुलित प्रभावित करने के परियोजन के लिए वितरित कोई मुद्रित पुस्तिका पर्चा या अन्य दस्तावेज या अन्य निर्वाचन के प्रति निर्देश करने वाला कोई प्लेकार्ड या पोस्टर अभिप्रत है, किन्तु किसी निर्वाचन सभी तारीख समय, स्थान अन्य विशिष्ठियों की केवल अख्यापित करने वाला या निर्वाचन अभिकर्ताओं या कार्यकर्ताओं की चर्चा संबंधी अनुदेश देने वाला कोई पर्चा, प्लेकार्ड या पोस्टर इसके अन्तर्गत नहीं आता है। जो व्यक्ति उपधारा (1) या उक्त धारा (2) के उपबंधों से किसी का उल्लंघन करेगा, वहां कारावास से जिसकी अवधि 6 माह तक की हो सकती है या जुर्माना से जो दो हजार रुपए तक हो सकेगा या दोनो दण्डनीय होगा।

## कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार श्री दिलीपसिंह गुर्जर 28 मार्च को मंदसौर आगमन

बाबा श्री पशुपतिनाथजी के दर्शन करेगें,कार्यकर्ता सम्मेलन में करेगे भागीदारी, लोकसभा चुनाव कार्यालय का भी होगा शुभारंभ

मंदसौर। आगामी 28 मार्च को मंदसौर-नीमच-जावरा लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी एवं पूर्व विधायक श्री दिलीपसिंहजी गुर्जर का मंदसौर आगमन होगा। श्री गुर्जर प्रातः 11 बजे भूतभावन भगवान श्री पशुपतिनाथजी के दर्शन एवं पूजन उपरांत चुनावी अभियान का श्रीगणेश करेगे। इसके पश्चात श्री दिलीपसिंहजी गुर्जर कांग्रेसजनो के साथ श्री पशुपतिनाथ शिवना पुलिया होते हुये प्रतापगढ पुलिया, मंडी गेट, सदर बाजार, कालिदास मार्ग, नेहरू बस स्टेण्ड, कालाखेत होते हुये गांधी चैराहा पहुंचेगे। गांधी चैराहे पर श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर पर दर्शन पश्चात गांधी चैराहा पर जिला कांग्रेस कार्यालय के समक्ष विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन में भागीदारी करेगें इस दौरान श्री गुर्जर, एवं अन्य वरिष्ठ कांग्रेसजनो द्वारा लोकसभा चुनाव कार्यालय का भी शुभारंभ किया जायेगा।

सीतामऊ एक गरिमामय समारोह में हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए समाज का नाम बढ़ाने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया एवं उनके भविष्य उज्जवल भविष्य की कामनाएं की गई होली के अवसर पर सोमवार की रात 9:00 बजे नीमा समाज की वार्षिक बैठक पर नीमा पंचायत भवन में संपन्न हुई जहां उक्त आयोजन हुआ बैठक की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष राजेंद्र नीमा (राजू) ने की जिसमें उपाध्यक्ष पंकज नीमा कोषाध्यक्ष रामेश्वर नीमा सह कोषाध्यक्ष कृष्णकांत नीमा संरक्षण कैलाश नीमा एवं कैलाश साकी तथा वरिष्ठ जन सोहनलाल कंठाली सत्यनारायण जी चंचावत प्रकाश चंद्र नीमा गोविंद नीमा तथा कार्यकारिणी के सदस्य महिलाएं एवं युवाएं की टोली उपस्थित थे संचालन करते हुए सचिव संजय नीमा वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया विभिन्न गतिविधियों एवं भावी कार्य योजनाओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला बैठक में पिछले वर्ष के दौरान दिवंगत समाज जनों को प्रति श्रद्धाजली अर्पित की गई इनका हुआ सम्मान गत वर्ष हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज का नाम बढ़ाने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं पर्व दिनेश जी कंठाली वंश मनीष जी ज़ोसी ऋषिका (लकी) संजय नीमा तथा लक्ष्य मनीष नीमा का अध्यक्ष एव उपाध्यक्ष के हाथों पुरस्कृत करते हुए प्रशस्तिपत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट की गई इस अवसर पर आयोजन स्थल पर करतल धवनी से गूंज उठा बैठक में कई वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सुझाव भी दिए सोहद्रपूर्ण परिवेश में बैठक देर रात तक चली बाद में समाजजनों को प्रसादी वितरित की गई अंत में समाज के अध्यक्ष श्री नीमा ने आभार प्रदर्शन किया

## अस्थि विसर्जन,दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की बस तालनपुर थाना कुक्षी के पास में पलटी

आज सुबह 9:45 बजे बस क्रमांक एमपी 45 5ह 7154 राणापुर से श्रद्धालूओ को लेकर, अस्थि विसर्जन,तीर्थ दर्शन के लिए कोटेश्वर धाम निसरपुर कुक्षी जिला धार आ रहे थे जो तालनपुर के पास बस का टायर अचानक फटने से बस पलट गई ,सूचना मिलने पर टी आई कुक्षी राजेश यादव,अपना स्टाफ के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे एवं घायलों को बस में से निकलकर 108 के माध्यम से अस्पताल में भर्ती कराया गया इसमें किसी प्रकार की कोई गंभीर चोट किसी भी व्यक्ति को नहीं आई है घायलों का इलाज चल रहा है और वह सभी स्वस्थ हैं, आरोपी बस चालक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर उसको हिरासत में लेकर बस जप्त कर ली गई है और इसमें आगे अनुसंधान जा रही है

## नीमच के सिनेमा घरों में नही रिलीज हुई स्वातंत्र्य वीर सावरकर की फ़िल्म, युवाओं ने किया प्रदर्शन, दिखाए काले झंडे, दिया 3 दिन का अल्टीमेटम

नीमच। शहर के पटेल प्लाजा स्थित कार्निवल सिनेमा में वीर सावरकर पर बनी मूवी प्रदर्शित ना किए जाने से नाराज युवाओं ने सिनेमा हॉल में ही धरना दे दिया। युवाओं की मांग थी कि 22 मार्च को रिलीज हुई वीर सावरकर की मूवी को कार्निवल सिनेमा में दर्शकों के लिए चलाया जाए। अपनी मांग को लेकर कार्निवल सिनेमा पहुंचे युवाओं ने काले झंडे भी दिखाएं। इन युवकों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि यहां वीर सावरकर मूवी प्रदर्शित नहीं की गई तो सिनेमा हॉल बंद कर दिया जाएगा। वहीं सिनेमा के मैनेजर राज ने कहा कि किसी कारण से वीर सावरकर मूवी पिछले फाइडे को नहीं लग पाई थी, जो अब 2 दिन में सिनेमा हॉल में दर्शकों के देखने के लिए उपलब्ध होगी।

## स्वीप गतिविधियों के क्रियान्यन हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन 28 मार्च को

मंदसौर / नोडल अधिकारी(स्वीप) एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंदसौर द्वारा बताया गया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 हेतु मतदाता जागरूकता से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देशों से अवगत कराने हेतु जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। कार्यशाला 28 मार्च को प्रात- 11.30 बजे कलेक्टर सभाकक्ष सुशासन भवन मंदसौर में आयोजित किया जाएगा।

## जिले के सभी शस्त्र लाईसंसधारी अपने शस्त्र तत्काल संबंधित थाने में जमा कराऐं

मंदसौर / कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने आदेश जारी कर, सम्पूर्ण मंदसौर जिले में सभी लायसेंसधारियों के शस्त्र लायसेंस 06 जून 2024 तक के लिए तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिए है। लायसेंस में दर्ज शस्त्र सम्बंधित पुलिस थानों में तत्काल जमा कराना अनिर्वाय होगा। यह आदेश लोकसभा निर्वाचन 2024 के कर्तव्य के लिए तैनात समस्त कार्यपालिक मजिस्ट्रेट/पुलिस/विशेष पुलिस अधिकारी (सी.आई.एस.एफ), बीएसएफ या सुरक्षा बलों, नगर सैनिक बल जिन्हे जिला मजिस्ट्रेट/पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्वाचन कर्तव्य के लिए नियुक्त किया गया है उन पर लागु नही होगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि मंदसौर राजस्व जिले में स्थित राष्ट्रीयकृत बैंकों में तथा औद्योगिक संस्थानों, कोषालय की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा बल आदि पर यदि आग्नेय शस्त्र हो तो उन पर भी आदेश लागू नहीं होगा। इसके साथ ही कर्तव्यस्थ लोकसेवक/पुलिस अधिकारी अपने कर्तव्य निर्वहन के दौरान शस्त्र धारण कर सकेंगे। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

## मतदाताओं को घर-घर जाकर मतदान के लिए किया जागरूक

मंदसौर 26 मार्च 24/ भारत निर्वाचन आयोन के तहत जिले में स्वीप गतिविधियों का संचालन जोरो से चल रहा हैं जिसके के तहत जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किये जाने हेतु जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए घर-घर जाकर जागरूकता किया जा रहा है। साथ ही सभी लोग आपस में जागरूक हो रही रहे हैं, और अन्य लोगों को भी मतदान के लिये अपील कर रहें हैं।

## मतदान केंद्र हेतु निर्धारित सभी शासकीय भवन 11 मई तक रिक्त करें

मंदसौर / कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने लोकसभा निर्वाचन हेतु मतदान केंद्रों के लिए चिन्हित किए गए समस्त शासकीय/अशासकीय भवनों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 160 में प्रदत्त अधिकारों के तहत 12 मई 2024 से 14 मई 2024 तक की अवधि के लिए अधिग्रहित करने के आदेश जारी किये है। भवन स्वामी/भवन के अधिपत्य के विभाग को मतदान केंद्र हेतु निर्धारित भवन 11 मई 2024 सायं में को रिक्त करेंगे। इन भवनों में पूर्व की भांति फर्नीचर, दूरभाष आदि व्यवस्थाओं को यथावत रखा जावे।

## निर्वाचन सम्पन्न होने तक जिले में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर रहेगा प्रतिबंध

मंदसौर / लोकसभा निर्वाचन 2024 अवधि के दौरान कोलाहल पर नियंत्रण बनाए रखना लोकहित में आवश्यक है। इस संबंध में मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 की धारा 10 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने जिला मंदसौर की परिधि में निर्वाचन सम्पन्न होने तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश पारित किया है। निर्वाचन अवधि के दौरान ध्वनि विस्तार यंत्रों का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। निर्वाचन प्रचार के समय ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग करने के लिए विधिवत अनुमति संबंधित अनुविभागीय दंडाधिकारी/कार्यपालक दंडाधिकारी से लेना होगी। सर्वोच्च न्यायालय निर्णित रिट पिटिशन (सिविल) क्रमांक 72/98 में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के संबंध में पारित आदेश दिनांक 18 जुलाई 2005 का पालन सुनिश्चित किया जाना होगा। ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग हेतु ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में सुबह 6 से रात्रि 10 बजे तक की अवधि के लिए ही अनुमति प्रदान की जाएगी। अनुमति जारी करता अधिकारी, शासन द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों के अधीन स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अनुमति देने या निरस्त करने के लिए सक्षम होंगे।

## शत प्रतिशत मतदान करने के उद्देश्य से सेल्फी पॉइंट की व्यवस्था

### मतदाता सेल्फी पॉइंट पर पहुंचकर ले रहे है सेल्फ़ी

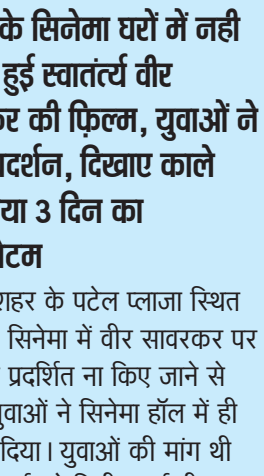


धार / भारत निर्वाचन आयोग के मंशानुसार एवं कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा के निर्देशानुसार लोकसभा निर्वाचन 2024 में जिले में शत प्रतिशत मतदान करने के उद्देश्य से आम मतदाताओं को जन जागरूकता लाने हेतु कई गतिविधियां संचालित कर जन जागरूक किया जा रहा है। जिसके तहत विद्यालय, कॉलेज, शासकीय कार्यालयों के साथ साथ सार्वजनिक स्थलों में सेल्फी पॉइंट की व्यवस्था की गई है। जहां पर पहुंचने वाले मतदाता उत्साह के साथ अपनी सेल्फी लेकर मतदाता जागरूकता अभियान का हिस्सा बन रहे है। साथ ही अपनी सेल्फी को सोशल मीडिया में प्रसारित भी कर रहे है।

# टीएल बैठक में सभी विभागो के अधिकारी उपस्थित होना सुनिश्चित करें-कलेक्टर श्री वैद्य

विदिशा। कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने मंगलवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा की। उन्होंने कहा सभी विभागो के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि टीएल बैठक में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। ऐसे विभाग जिनके ऐजेण्डा बिन्दु टीएल में शामिल नहीं है उन विभागो के भी जिलाधिकारी हरेक टीएल बैठक में मौजूद रहेंगे। इसी प्रकार खण्ड स्तरीय अधिकारियों को स्थानीय व्हीसी कक्ष में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए है ताकि व्हीसी के माध्यम से संवाद किया जा सकें। कलेक्टेऊट कार्यालय के बेतवा सभागार में आयोजित इस बैठक में कलेक्टर श्री वैद्य के द्वारा सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों की विभागवार समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि हरेक आवेदन का एल वन स्तर पर ही निराकरण हो की परिपाटी उन्नत करें। उन्होंने कहा कि एल टू, एल थ्री, एल फोर पर जो आवेदन पहुंचते है अन्त्योगतव्य उनका निराकरण भी एल वन के अधिकारी को ही करना होता है। अत: आवेदन उपर की श्रेणी तक ना पहुंचे उससे पहले ही जिला स्तर पर निराकरण की सफल कार्यवाही हो जाए। कलेक्टर वैद्य ने सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों को अतिगंभीरता से लेने की हिदायत जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारियों को देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति की समस्या स्थानीय स्तर पर निदान नही हो पाती है तब वह व्यक्ति सीएम हेल्पलाइन की ओर अग्रसर होता है। प्राप्त होने वाले आवेदनों का एल वन स्तरीय अधिकारी सीधे आवेदक के मोबाइल पर सम्पर्क कर शिकायतो के प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष कारणो से अवगत होने के उपरांत निराकरण की क्या प्रक्रिया है और कैसे की जानी है तथा कौन करेगा इत्यादि का सार संक्षेप आंकलन आवेदन प्राप्ति के पहले दिन ही हो जाना चाहिए। ताकि आगामी दो दिवस के भीतर आवेदक की समस्या का समाधान होकर उसे जानकारी से अवगत कराया जा सकें। इस प्रक्रिया से आवेदक संतुष्ट होंगे ओर जिले में सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों के निराकरण का संतुष्टि प्रतिशत शत प्रतिशत हासिल हो सकेगा। कलेक्टर वैद्य ने जिले में क्रियान्वित प्रधानमंत्री जनमन योजना के कार्यो की भी बिन्दुवार पृथक-पृथक समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि जिले में सहरिया जनजाति की आबादी 47530 है व परिवार 10450 है। उल्लेखित आबादी को शत प्रतिशत योजना के तहत लाभांवित किया जाना है जिसमें सभी के जाति प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, समग्र आईडी जारी किए जाने है। इसके अलावा विभिन्न बैको में पीएम जनमन योजना के तहत 163 के खाते खोलकर बीमा किया जाना है। जिले में 463 सहरिया ग्रामो में से विद्युत से वंचित 67 ग्रामो में बिजली कनेक्शन कर 332 परिवारो को कनेक्शन दिलाये जाने है। पीएम आवास योजना के तहत नवीन 3841 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति की कार्यवाही की गई है। अभी तक 473 गांवो को नल जल योजना से जोड़ा जा चुका है शेष ग्रामो को जोड़ने की कार्यवाही जल निगम और पीएचई के द्वारा क्रियान्वित की जा रही है। इसी प्रकार स्वास्थ्य सुविधाएं, रोजगारमुंखी योजनाओं से लाभांवित तथा नवीन आंगनबाडी केन्द्रयुक्त ग्रामो की संख्यात्मक जानकारी से अवगत कराया गया है। विकासखण्डवार सहरिया जनजाति ग्रामो में मोबाइल टॉवर के संबंध में बताया गया कि अभी तक 386 ग्राम मोबाइल टॉवरो से जुडे है शेष 75 ग्रामो में मोबाइल टॉवर स्थापित करने के कार्य ऐजेन्सी के द्वारा क्रियान्वित किए जा रहे है। पीव्हीजीटी के तहत 296 सहरिया ग्राम पक्की सडको से जुड चुके है। 165 ग्रामो को जोड़ने का कार्य क्रियान्वित है। अभियान के दौरान 57 मल्टीपरपज सेन्टर बनाए जाने के प्रस्ताव प्रेषित किए गए है वहीं ग्रामो में वन धन केन्द्र संचालन के लिए चार स्थलों का चिन्हांकन किया गया है। न्यायालयीन प्रकरणों की समीक्षा कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने लंबित आवेदनों की समीक्षा के दौरान जिले के विभिन्न विभागो के ऐसे प्रकरण जो न्यायालयों में प्रचलित है। उन प्रकरणों में संबंधित विभागो के द्वारा जबाव दाखिल किए गए है कि नहीं। ऐसे प्रकरण जिनमें जबाब दाखिल करने की कार्यवाही पूरी की गई है। उन प्रकरणों की छाया प्रति जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए है। गौरतलब हो कि उच्च न्यायालय ग्वालियर में लंबित प्रकरणों के संबंध में बताया गया कि जबाव समय सीमा में दाखिल कराया जाना सुनिश्चित करें अन्यथा संबंधित विभाग के जिलाधिकारी के खिलाफ दण्डनीय कार्यवाही एकतरफा की जाएगी। उपार्जन कलेक्टर वैद्य ने समर्थन मूल्य पर जिले में उपार्जन कार्यो के लिए किए गए प्रबंधो की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले के ऐसे पंजीकृत किसान जो समर्थन मूल्य पर गेंहू, चना, सरसो, मसूर विक्रय करने हेतु आते है उन सभी किसानो को शासन के दिशा निर्देशानुसार और उपार्जन नीति के अनुपालनार्थ तमाम सुविधाएं उपार्जन केन्द्रो पर मुहैया हो। कलेक्टर वैद्य ने समस्त राजस्व अधिकारियों को ततसंबंध में निर्देश दिए है कि भ्रमण के दौरान उपार्जन केन्द्रो के साथ-साथ संबंधित क्षेत्र की कृषि उपज मंडी का भी निरीक्षण करें और यहां उपस्थित किसानबंधुओं से संवाद स्थापित कर मुहैया कराई जा रही सुविधाओं की क्रास मानिटरिंग के माध्यम से जानकारियां संकलित करें। कलेक्टर वैद्य ने लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक के दौरान पटवारी प्रशिक्षण, शासकीय विभागो में भूमि आवंटन के प्रकरण, खाद्य की उपलब्धता, लोकसभा निर्वाचन 2024 के कार्यो के साथ-साथ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के संबंध में किए गए प्रबंधो की समीक्षा की है। उक्त बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शशि मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर द्वय श्री संतोष बिटौलिया और नितिन कुमार जैन के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा विदिशा एसडीएम क्षितिज शर्मा मौजूद रहें वहीं अन्य अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों के साथ-साथ खण्ड स्तरीय अधिकारियों से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संवाद किया गया है।

# सेंधवा डॉक्टर्स एसोसिएशन द्वारा नवीन कार्यकारिणी का गठन

सेंधवा में विगत 30 वर्षों से सेंधवा डॉक्टर्स एसोसिएशन द्वारा विभिन्न सामाजिक एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निशुल्क शिविरों का आयोजन कर अपनी विभिन्न गतिविधियां संचालित करते आ रही है सत्र 2024 - 25 एक वर्षीय कार्यकाल के लिए नवीन कार्यकारिणी का गठन सभी सदस्यों की उपस्थिति में किया गया जिसमें अध्यक्ष डॉ मयंक शर्मा, सचिव डॉ अश्विन जैन, सहसचिव डॉ अब्दुल करीम हनफी, उपाध्यक्ष डॉ अजय गुप्ता, डॉ अनिल मोर, डॉ दीपिका झॅवर, कोषाध्यक्ष डॉ सागर सराफ, चिकित्सा शिविर संयोजक डॉ नंदकिशोर राठौर, डॉ अंशुल सोनी संरक्षक एवं परामर्शदाता डॉ दिनेश गौड़, डॉ ओ पी गंगे, डॉ एम के जैन, डॉ अतुल शाह डॉ श्रीष दूबे, डॉ किंशुक लालका, डॉ आनंद गुप्ता मनोनीत किए गए इस अवसर पर एसोसिएशन के लगभग 60 डॉक्टर उपस्थित थे सेंधवा के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ दिनेश गौड़, डॉ ओ पी गंगे एवं डॉ एम के जैन ने नवीन गठित कार्यकारिणी को बहुत-बहुत बधाइयां दी।

**हम यह सुनिश्चित कर सकें कि मतदान केन्द्रों पर बुनियादी सुविधा उपलब्ध हो और मतदान दल एवं मतदाताओं को किसीप्रकार की असुविधा न हो -कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कोचर**

# दूरस्थ अंचल पर स्थित मतदान केन्द्रों पर पहुंचे कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी

दमोह दमोह लोकसभा 07 निर्वाचन के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर ने जिले के विधानसभा क्षेत्र 56-जबेरा अन्तर्गत तेन्दूखेड़ा ब्लाक के मतदान केन्द्र क्रमांक 275 रमपुरा रैयत केन्द्र, मतदान केन्द्र कमांक 205 उन्हारीखेड़ा एवं केन्द्र कमांक 209 कुदपुरा मतदान केन्द्र का निरीक्षण किया गया। यह मतदान केन्द्र जिले के सबसे दूरस्थ मतदान केन्द्र है, जो कि शैडो एरिया के तहत है तथा वीरांगना रानी दुर्गावती टाईगर रिजर्व के कोर एरिया में स्थित है। इन केन्द्रों में मतदान दलों को मतदान केन्द्रों पर ट्रैक्टर से भेजा जाता है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कोचर ने मतदान केन्द्र में आवश्यक व्यवस्थायें (.रूस्र.) सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कुदपुरा स्कूल परिसर में ग्रामीणजनों ने बताया कि स्कूल परिसर में एक हेण्डपम्प तथा एक बोरवेल है जिसमें पर्याप्त पानी है, परन्तु मोटर न होने से पानी का उपयोग नहीं हो पा रहा है। कलेक्टर कोचर ने मौके पर जनपद सी.ई.ओ. को पी.एच.ई. के माध्यम से बोरवेल में मोटर की व्यवस्था सुनिश्चित कर शीघ्र चालू कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा मैंने प्रयास किया था कि पहले चरण में सारी विधानसभा क्षेत्र में मतदान केंद्रों का एक बार भ्रमण करूं। अभी तक लगभग 100 से अधिक मतदान केन्द्रों का भ्रमण किया है। आज यहां के सबसे दूरस्थ अंचल मतदान केंद्र रमपुरा का भ्रमण किया। जो कि दमोह से 102 किलोमीटर से अधिक दूरी पर है, जिसका काफी बड़ा हिस्सा वन क्षेत्र में आता है, वहां जाकर वहां के मतदान केंद्र की पूरी व्यवस्था को देखा, वहां की आम जनता से मुलाकात की, इसके अलावा दो और गांव थे जहां पर निरीक्षण किया है। इस तरह से गांव में मतदान केन्द्रों का भ्रमण किया जा रहा है ताकि हम यह सुनिश्चित कर सके कि वहां पर बुनियादी न्यूनतम सुविधा उपलब्ध हो और मतदान दल एवं मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और इस तरह के निरीक्षण आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। भ्रमण के दौरान तेन्दूखेडा एस.डी.एम. अविनाश रावत, जनपद तेन्दूखेडा सी.ई.ओ. श्री बागड़ी, नायब तहसीलदार तेन्दूखेडा, बी.ई.ओ. तेन्दूखेडा, तथा स्थानीय अधिकारी उपस्थित रहे।

**ग्रीष्म ऋतु में नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध करायें**

# जलप्रदाय विभाग की बैठक में निगम आयुक्त भट्ट ने दिये निर्देश

## गंदे पानी से खेती करने वालो के विरूद्ध होगी दण्डात्मक कार्यवाही

## किसान खेती हेतु ट्रीटेड वॉटर का करें उपयोग

रतलामं। ग्रीष्म ऋतु में नगर के नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध हो इस हेतु निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट ने जलप्रदाय विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। निगम आयुक्त भट्ट ने बैठक में निर्देशित किया कि नगर के नागरिकों को ग्रीष्म ऋतु में पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध हो इस हेतु सभी तैयारियां समय पूर्व पूर्ण कर ली जाये। उन्होने निर्देशित किया कि पेयजल टैंकरो को चालू स्थिति में रखा जाये यदि कोई टेंकर खराब है तो उसे तत्काल दुरस्त कराया जाये साथ ही लीकेज दुरस्ती का कार्य मुस्तैदी से करवाया जाये व गन्दे पानी की समस्या का त्वरित गति से निराकरण किया जाये। आयोजित बैठक में बताया गया किं 2023 को धोलावाड़ डेम का वॉटर लेवल 385.30 मीटर था इस वर्ष 386.30 मीटर है जो गत वर्ष की तुलना में 1 मीटर ज्यादा है। पिछले वर्ष 12 अप्रैल को मड पम्प चालू किये गये थे तब डेम का वॉटर लेवल 384.90 मीटर था। इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में डेम का वॉटर लेवल अधिक होने से मई माह में मड पम्प चालू करने की स्थिति बनेगी।निगम आयुक्त भट्ट ने बैठक में निर्देशित किया कि गन्दे पानी से खेती करने वाले किसानों पर दण्डात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु प्रभावी कदम उठाये जाये ताकि नागरिक किसी प्रकार की बीमारी से पीड़ित ना हो। उन्होने कहा कि खेती के लिये ट्रीटेड वॉटर का उपयोग करना उचित है इस हेतु ऐसे किसान जो कि खेतो में सिंचाई हेतु नगर निगम के करमदी व खेतलपुर ट्रीटेड प्लांट से ट्रीटेड वॉटर क्रय करना चाहते है तो वे नगर निगम के जलप्रदाय कांउटर से 50 रूपये प्रति किलोलीटर के मान से रसीद कटवाकर क्रय कर सकते हैं। 3000 लीटर के टैंकर की दर 150 रूपये प्रति टैंकर है। इस हेतु किसान को अपना टैंकर खेतलपुर व करमदी एसटीपी प्लांट पर स्वंय को लाना होगा।

## स्वीप गतिविधि के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया

अलीराजपुर । स्वीप गतिविधि के तहत चन्द्रशेखर आजाद नगर तहसील के ग्राम बड़गांव एवं महेन्द्रा मे मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की संस्था द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा मानव श्रृंखला बना कर गांव के लोगो को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। इस संबंध में सभी उपस्थित लोगो को खुद भी मतदान करने एवं अपने परिवार के सदस्यों को मतदान कराने के लिए शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान नवांकुर संस्था एवं प्रस्फुटन संस्था के अध्यक्ष सचिव एवं सदस्य समेत ग्रामीण जन उपस्थित थे।

## एमसीएमसी के संबंध में प्रशिक्षण का आयोजन

अलीराजपुर । आज कलेक्टर ऑडिटोरियम हॉल में मीडिया प्रबंधन एवं प्रमाणीकरण (एमसीएमसी) के संबंध में प्रशिक्षण का आयोजन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ अभय अरविंद बेडेकर के मार्गदर्शन में किया गया । इस प्रशिक्षण में निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान पेड न्यूज ,फेक न्यूज और विज्ञापन के संबंधित आयोग के द्वारा दिए गए दिशा निर्देश की जानकारी दी गई । मास्टर ट्रेनर श्री राकेश भिंडे द्वारा पेड न्यूज व न्यूज चैनलों में नजर रखने एवं जिले में इलेक्ट्रॉनिक्स न्यूज मीडिया और प्रकाशित या प्रसारित समाचार एवं विज्ञापनों में पेड न्यूज को चिन्हित करने आदि की सम्पूर्ण जानकारी दी गई । इस प्रशिक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी एमसीएमसी सुश्री निधि मिश्रा एवं सहायक संचालक जनसम्पर्क श्री हर्षवर्धन गुप्ता समेत संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

# लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर निर्वाचन अधिकारी जायसवाल ने ली स्टेंडिंग कमेटी की बैठक

**आलोट विधानसभा में 253 मतदान केंद्रों में से 49 पोलिंग क्रिटिकल श्रेणी में 85 प्लस के दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं को घर पर ही मिलेगी मतदान की सुविधा**

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन की घोषणा के बाद देश में आदर्श आचार साहिता लागू हो चुकी हे आयोग के निर्देशानुसार आचार संहिता का पालन करना सभी का दायित्व बन गया हे आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव के संचालन के लिए पूरा कार्यक्रम तय किया गया हे जिसमे उम्मीदवार के नामांकन दाखिल करने जांच नाम वापसी तथा मतदान की तारीख से लेकर मतगणना तक का पूरा कार्यक्रम शामिल हे

वही चुनाव की तैयारी को लेकर आलोट निर्वाचन अधिकारी सुनील जायसवाल के निर्देशन में स्टेंडिंग कमेटी की बैठक आलोट तहसील कार्यालय पर आयोजित की गई जिसमे आलोट विधानसभा के 253 पोलिंग में से पूर्व विधानसभा चुनाव की तरह 49 पोलिंग को ही क्रिटिकल श्रेणी में रखा गया है

निर्वाचन आयोग द्वारा वोटर लिस्ट का अंतिम प्रकाशन किए जाने तक आलोट विधानसभा में अभी तक कुल 2 लाख 23 हजार 345 मतदाता अंकित हो चुके है जो लोकसभा चुनाव में अपने मतदान का उपयोग करेगे जिसमे पुरुष मतदाता 1लाख13 हजार 220, एवं महिला मतदाताओं की संख्या 1 लाख10 हजार 117, अन्य 8, जिसमे से 85 वर्ष से अधिक दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाता जो की मतदान केन्द्र पर पहुंचने में असमर्थ हे या उपस्थित नही हो सकते निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बी, एल , ओ द्वारा उन्हें चिन्हित कर सूची बनाई जाएगी और उनके घर पर ही मतदान कराया जाएगा ताकि वे मतदान से वंचित ना हो सके वही सदस्यों द्वारा मतदान केंद्रों पर गर्मी को देखते हुए टैंट,पानी और शीतल पेय की व्यवस्था करने की बात निर्वाचन अधिकारी से कही जिस पर उन्होंने उचित व्यवस्था करने पर सहमति प्रदान की

बैठक में तहसीलदार सोनम भगत, भाजपा मंडल अध्यक्ष दिलीप सिंह डोडिया, वरिष्ठ भाजपा नंदन राज जेन,दिनेश कोठारी,अशोक भंडारी,प्रह्लाद सिंह परिहार, अनिल भरावा,मोहक मेहता, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष शंकर सिंह परिहार, काग्रेस नेता नागेश खारोल, इलेक्शन सुपरवाइजर शिवनारायण व्यास आदि उपस्थित थे

## जबलपुर नाका चौकी से महाराणा प्रताप मूर्ति तक यातायात को नियंत्रित करने के लिए वैरीकैटिंग की जाये-कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कोचर

## अधिकारी/कर्मचारी अपना परिचय पत्र लगाकर ही कार्यालयो में प्रवेश पा सकेगें

**परिसर में एक फायर ब्रिग्रेड एवं एक एम्बूलेंस की व्यवस्था करने दिये निर्देश**
**कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से भ्रमण कर दिये दिशा निर्देश**

दमोह लोकसभा निर्वाचन 2024 के संचालन हेतु आयोग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित किये जाने के साथ नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने संबंधी सभी आवश्यक तैयारियों एवं यातायात व्यवस्था के संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार कोचर एवं पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने संयुक्त भ्रमण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मीना मसराम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा खासतौर पर मौजूद थे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कोचर ने कहा जबलपुर नाका चौकी से महाराणा प्रताप मूर्ति तक यातायात को नियंत्रित करने के लिए वैरीकैटिंग की जाये, वैरीकैटिंग व्यवस्था ऐसी हो जिससे एक चार पहिया वाहन आसानी से कलेक्टर कार्यालय की ओर प्रवेश कर सकें। महाराणा प्रताप मूर्ति से ऑफीसर बंगला के समीप वैरीकैटिंग कर यातायात व्यवस्था को डायवर्ट किये जाने का निर्णय लिया गया। कलेक्टर कोचर ने कहा संयुक्त कलेक्टर कार्यालय के दोनों प्रवेश द्वार आने-जाने के लिए उपयोग किये जायेंगे इसके लिये आवश्यक पुलिस बल तैनात किये जाने के निर्देश दिए गए। 28 मार्च से 08 अप्रैल 2024 तक वैरीकैटिंग व्यवस्था पूर्ण रूप से संचालित रहेगी। वैरीकैटिंग व्यवस्था प्रात: 10 बजे से शाम 04 बजे तक प्रभावशील रहेगी, तत्पश्चात वैरीकैटिंग आम जनमानस के लिए खोले जाएगें कलेक्टर कार्यालय में प्रवेश करने वाले अधिकारी/कर्मचारी अपना परिचय पत्र लगाकर ही कार्यालयो में प्रवेश पा सकेगें। इस संबंध में समस्त कार्यालय प्रमुखों को सूचित करने हेतु निर्देशित दिये गये। अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए वाहन व्यवस्था पार्किंग के लिए कलेक्टर कार्यालय परिसर के बाजू में स्थित डायमंड पार्क में किये जाने के साथ वाहनो की सुरक्षा के लिए आवश्यक पुलिस बल लगाने जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा संयुक्त कलेक्टर कार्यालय परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार पर मैटल डिटेक्टर लगाया जाये। कलेक्टर परिसर के मुख्य द्वार के अलावा अन्य प्रवेश द्वार पूर्णत: बंद रहेंगें। परिसर में आने वाले सभी अधिकारी / कर्मचारी मुख्य द्वार से ही प्रवेश करेंगे। यातायात प्रभारी को रोड मेप अनुसार रूट डायवर्ट किये जाने की सूचना समाचार पत्रो के माध्यम प्रचार प्रसार किये जाने के निर्देश दिए गए उन्होंने कहा आमजन को सड़क पर आने जाने में असुविधा न हो इसका का भी ध्यान रखते हुए वैरीकैटिंग की जाये। संयुक्त कलेक्टर कार्यालय परिसर के अन्य सभी प्रवेश द्वार बंद रखे जायें । परिसर में एक फायर ब्रिग्रेड एवं एक एम्बूलेंस की व्यवस्था करने के लिए भी निर्देशित किया गया।

# रेप के मामले में बुरे फंसे भारतीय मूल के क्रिकेटर निखिल चौधरी, पीड़िता ने रो-रोकर सुनाई आपबीती

नेशनल डेस्क: भारतीय मूल का क्रिकेटर एक रेप केस में फंसता दिखाई दे रहा है। दरअसल, इस भारतीय मूल के क्रिकेटर पर ऑस्ट्रेलिया की महिला से दुष्कर्म का आरोप लगा है। निखिल चौधरी जो ऑस्ट्रेलिया में होने वाले बिग बैश लीग में होबार्ट हरिकेंस के लिए खेलते हैं। उन पर ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड में ऑस्ट्रेलियाई महिला संग दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। महिला के आरोपों के मुताबिक, निखिल ने अपनी कार में इस घटना को अंजाम दिया। महिला द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद निखिल चौधरी ने खुद को निर्दोष बताया है। रिपोर्ट के अनुसार निखिल चौधरी एक महिला से क्लब में मिलते हैं जिसके बाद वो उसको अपनी कार में ले गए और महिला के साथ रेप किया। हालांकि निखिल चौधरी की तरफ से इन आरोपों को झूठा और गलत बताया गया है। पीड़ित महिला के दोस्तों ने जिला कोर्ट को बताया है कि उन्होंने महिला को रोते हुए और यह कहते हुए देखा था कि उसके साथ रेप किया गया है। उन्होंने बताया कि महिला के साथ निखिल ने कार में रेप किया है। जबकि क्रिकेटर ने इस बात को नकारा है। निखिल पर कार में महिला से रेप का आरोप प्रॉसिक्यूटर ने कहा कि निखिल ने कार में महिला का यौन उत्पीड़न किया गया। यह घटना फ्लिंडर्स स्ट्रीट पर हुई। इससे महिला घायल हो गई और खून बह रहा था। दूसरी ओर बचाव पक्ष इस बात पर विवाद कर रहा है कि क्या डिजिटल प्रवेश हुआ था और क्या महिला ने सहमति दी थी निखिल और पीड़िता ने डांस और किस भी किया था जिला कोर्ट के मुताबिक, निखिल चौधरी और 20 साल की पीड़िता की मुलाकात द बैंक नाइट क्लब के डांस फ्लोर पर हुई थी। तब दोनों ने डांस किया और किस भी किए। इसके बाद देर रात करीब 3 बजे निखिल और पीड़िता कार में बैठकर निकल गए थे। पीड़िता के दोस्तों ने बताया कि दोनों को कार में जाते देख उनको चिंता भी हुई थी। उन्होंने देखा कि जब एक दोस्त ने कार के शीशे पर हाथ मारा तो पीड़ित महिला कार से बाहर आई। महिला बुरी तरह हो रही थी और उसने दोस्तों को बताया कि उसके साथ रेप हुआ है। पीड़िता ने मां को फोन पर कही थी ये बातें फोरेंसिक नर्स निकोल एटकेन ने कहा कि उसने कथित बलात्कार के कुछ घंटों के भीतर पीड़िता की जांच की। उन्होंने बताया कि किस सहमति से हुआ था, लेकिन संबंध सहमति से नहीं बने थे। पीड़ित को अंदरूनी चोट लगी थी। दूसरी ओर पीड़िता की मां ने बताया कि 23 मई की जल्दी सुबह बेटी का फोन आया था। वो काफी रो रही थी और बताया कि उसके साथ मारपीट हुई है। बेटी ने बताया था कि तब वो पुलिस के साथ ही और अस्पताल जा रही है। पीड़िता की मां ने कहा, %बेटी ने कहा था कि वह एक लड़के से मिली थी। इसके बाद उसकी कार में बैठी, तो वो उसके पीछे पड़ गया। मैंने पूछा, क्या उसने तुम्हें छुआ था?% और उसने कहा..., उसने कोशिश की।

बता दें कि निखिल चौधरी का जन्म भारत के पंजाब राज्य में हुआ था। निखिल ने पंजाब के लिए घरेलू क्रिकेट भी खेला है लेकिन अब वेऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते है। ऑस्ट्रेलिया में निखिल ने पोस्टमैन का भी काम किया है। अब निखिल ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित टी20 लीग बैग बैश लीग में होबार्ट हरिकेंस टीम के लिए क्रिकेट खेलते हैं। बिग बैश लीग में निखिल चौधरी ने अभी तक 9 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उनकी 6 पारियों में बल्लेबाजी आई। इस दौरान निखिल ने 142 के स्ट्राइक से 154 रन बनाए थे।

# पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमला, 6 चीनी नागरिकों की मौत

**इंटरनैशनल डैस्क** = पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमला हुआ है। इस हमले में 6 चीन के नागरिकों की मौत होने की खबर सामने आई है। हमले के बाद चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के मुताबिक, यह आत्मघाती हमला चीनी नागरिकों की गाड़ियों को निशाना बनाकर किया गया है। यह आत्मघाती हमला ऐसे वक्त में हुआ है जब कुछ घंटे पहले ही बलूचिस्तान प्रांत में पाकिस्तान के दूसरे सबसे बड़े नेवल बेस पर आतंकी हमले की खबर सामने आई है। इस हमले में एक जवान की मौत हो गई है। इसके साथ ही सुरक्षा बलों ने 4 आतंकियों को मार गिराया। जानकारी के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा के शांगला की बिशाम तहसील में विस्फोटक से भरे एक वाहन ने दूसरे वाहन को जा टक्कर दे मारी जिसके बाद ये टक्कर एक बड़े विस्फोट में बदल गई। घटना की तस्वीर से पता लगा है कि विस्फोट के बाद एक वाहन खाई में गिर गया था और विस्फोट के कारण उसमें आग लग गई। बताया जा रहा है कि जिस वाहन को निशाना बनाया गया उसमें कई चीनी नागरिक सवार थे, जिसमें से 5 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, एन्य नागरिक की भी मौत हुई है। पाकिस्तान में चीनियों की जान खतरे में बता दें कि पिछले दो-तीन सालों से देखा जा रहा है कि अकसर पाकिस्तान में चीनी नागरिकों पर हमले की खबर सामने ईती ही रहती है। अभी तक एक दर्जन से ज्यादा के मामले सामने आ चुके हैं। इन हमलों में अब तक कई चीनी नागरिकों की मौत हो चुकी है। अधिकतर हमले खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के इलाके में देखे गए हैं।

# ऐसा पहली बार: हुरुन रिसर्च की 2024 ग्लोबल रिच लिस्ट जारी, न्यूयॉर्क के बाद मुंबई अब तीसरे स्थान पर

## बीजिंग को पछाड़कर मुंबई बनी एशिया की अरबपतियों की राजधानी

**नई दिल्ली।** चीन के बीजिंग को पछाड़कर मुंबई पहली बार एशिया की अरबपतियों की राजधानी बन गई है। मुंबई में अब बीजिंग से ज्यादा अरबपति हैं। हुरुन रिसर्च की 2024 ग्लोबल रिच लिस्ट के अनुसार, मुंबई में बीजिंग में 91 के मुकाबले 92 अरबपति हैं। हालांकि, अगर चीन देश की बात करें तो भारत के 271 की तुलना में यहां 814 अरबपति हैं। न्यूयॉर्क के बाद अरबपतियों के मामले में मुंबई अब वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है। अरबपतियों के मामले में न्यूयॉर्क पहले नंबर पर है। यहां सबसे अधिक 119 अरबपति रहते हैं। इसके बाद लंदन आता है, जहां 97 अरबपति हैं। इस मामले में मुंबई तीसरे स्थान पर है। मुंबई में कितने नए अरबपति? मुंबई में 26 नए अरबपतियों के कारण यह चीन की राजनीतिक और सांस्कृतिक राजधानी, बीजिंग से आगे निकल गई है। जबकि बीजिंग में 18 अरबपतियों की कमी आई है। मुंबई की कुल अरबपतियों की संपत्ति 445 अरब डॉलर है, जो पिछले साल से 47 फीसदी ज्यादा है। वहीं बीजिंग की कुल अरबपतियों की संपत्ति 265 अरब डॉलर है, जो 28 फीसदी कम हुई है। मुकेश अंबानी संपत्ति में बढ़ोतरी मुंबई के वेल्थ सेक्टर्स में एनर्जी और फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं, जिसमें मुकेश अंबानी जैसे अरबपति का नाम शामिल है। रियल एस्टेट के खिलाड़ी मंगल प्रभात लोढ़ा (और परिवार) को सबसे ज्यादा वेल्थ मिली है। ग्लोबल रिच लिस्ट के अनुसार, मुकेश अंबानी संपत्ति में बढ़ोतरी के साथ 10वें स्थान पर रहे, जिसका श्रेय मुख्य रूप से रिलायंस इंडस्ट्रीज को जाता है। इसी तरह, गौतम अदाणी की संपत्ति में बढ़ोतरी के बाद वह वैश्विक रैंकिंग पर आठ पायदान ऊपर 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। एचसीएल के शिव नादर और उनके परिवार की संपत्ति और वैश्विक रैंकिंग दोनों बेहतर हुई है। वह 16 स्थान ऊपर 34 नंबर पर पहुंच गए हैं। कुछ की रैंकिंग में गिरावट ग्लोबल रिच लिस्ट में कुछ भारतीय अरबपतियों की वैश्विक रैंकिंग में हल्की गिरावट देखी गई है। सीरम इंस्टीट्यूट के साइरस एस पूनावाला की कुल संपत्ति 82 अरब डॉलर के साथ मामूली गिरावट (नौ पायदान गिरकर 55वें स्थान) पर रही। भारत के अरबपति ग्रुप में सन फार्मास्यूटिकल्स के दिलीप सांघवी (61वें स्थान) और कुमार मंगलम बिड़ला (100वें) का भी योगदान है। वहीं, राधाकिशन दमानी आठ स्थान ऊपर चढ़कर 100वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

# मलेशिया के खुदरा स्टोर में बेचे जा रहे 'अल्लाह शब्द छपे मोज़े, मुसलमानों में भड़का रोष

**कुआलांलपुर**= मलेशिया के एक खुदरा स्टोर में 'अल्लाह शब्द छपे मोज़े बेचे जाने का मामला सामने आने पर मुसलमानों में रोष भड़का गया है। इसकी जानकारी मिलने के बाद स्टोर के मालिक और उसके यहां सामान की आपूर्ति करने वाले के खिलाफ मंगलवार को मुस्लिमों की धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया गया है। के के मार्ट समूह देश में खुदरा स्टोर की दूसरी सबसे बड़ी श्रृंखला है और इसके संस्थापक एवं अध्यक्ष चाई की कान और उनकी पत्नी तथा कंपनी की निदेशक लोह सीव मुई ने जानबूझकर मुसलमानों की धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप से इनकार किया है। कंपनी ने अपने आपूर्तिकर्ता पर उन उत्पादों को भेजने का आरोप लगाया है जिनके स्टॉक के लिए कंपनी सहमत नहीं थी। मलेशिया में धर्म एक संवेदनशील मुद्दा है जहां 3.4 करोड़ की आबादी में से दो तिहाई मुस्लिम हैं। राष्ट्रीय समाचार एजेंसी बरनामा की खबर के मुताबिक, धार्मिक मामलों के मंत्री मोहम्मद नईम मुख्तार ने कहा, मुसलमानों की नजर में अल्लाह शब्द का बहुत सम्मान है। अल्लाह हमारा निर्माता है और अल्लाह को हमारे चरणों में रखना अपमानजनक है। मोज़े उपलब्ध कराने वाले आपूर्तिकर्ता शिन जियान चांग और उसकी कंपनी में निदेशक उसकी पत्नी और बेटी पर भी अपराध को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है। शिन जियान चांग ने कहा है कि मोज़े चीन से आयात किए गए थे। प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के गठबंधन में शामिल एक मलय राजनीतिक दल ने के के मार्ट के बहिष्कार का बार-बार आह्वान किया है, जबकि मलेशिया के नए शाह, सुल्तान इब्राहिम इस्कंदर ने इस मुद्दे पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है और चेतावनी दी है कि यह नस्लीय सद्भाव को बाधित कर सकता है। अनवर ने कड़ी कार्रवाई का आह्वान किया है, लेकिन जनता से भी इस मुद्दे को ज्यादा तूल न देने और आगे बढ़ने का आग्रह किया है।

# महाराष्ट्र में अजित पवार की एन.सी.पी. ने सी.एम. शिंदे को दी महायुति गठबंधन तोड़ने की धमकी

**नेशनल डेस्क**= भारत के सबसे बड़े लोकतांत्रिक पर्व में हमें नेताओं के कई तरह के रंग देखने को मिलते हैं। कुछ ऐसा ही मामला महाराष्ट्र में भी सामने आया है जब शिवसेना नेता विजय शिवतारे से नाराज राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन छोड़ने की धमकी दे डाली है। हालांकि राज्य में गरमाए हुए चुनावी माहौल में इस तरह की संभावना कम ही है। दरअसल पुरंदर से पूर्व शिवसेना विधायक शिवतारे ने घोषणा की है कि वह एनसीपी संस्थापक शरद पवार के परिवार के गृह क्षेत्र बारामती से एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। शिवतारे ने कहा कि वह इस निर्वाचन क्षेत्र को पवार परिवार से मुक्त कराने के लिए बारामती से चुनाव लड़ना चाहते हैं। कहा जा रहा है कि अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के अपनी ननद और मौजूदा सांसद सुप्रिया सुले के खिलाफ बारामती से चुनाव लड़ने की संभावना है। ऐसे बिगड़ गई बात मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिवतारे के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री शिंदे ने स्पष्ट रूप से अपने सहयोगी को मैदान से हटने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन शिवतारे ने उन्हें कोई आश्वासन नहीं दिया।

## भाजपा ने ताश के पत्तों की तरह छांटे टिकट, पिछली बार चुने गए 116 सांसद चुनाव मैदान से बाहर

लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी सत्ताधारी पार्टी भाजपा ने देश की सियासत में नया प्रयोग करते हुए 2019 में चुने गए अपने 116 सांसदों की टिकट काट दी है। 2019 में संसद में पहुंचे ये नेता 2024 के चुनाव में नजर नहीं आएंगे। इनके अलावा मंडी से 2019 में चुने गए भाजपा के सांसद राम स्वरूप शर्मा और हरियाणा के अंबाला से चुने गए सांसद रतन लाल कटारिया का निधन हो गया था, लिहाजा इन दो सीटों पर भी उम्मीदवार बदले गए हैं। जिन सांसदों का टिकट कटा है, उनमें से वे 19 सांसद भी शामिल हैं, जिन्हें पिछले साल राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के विधानसभा चुनाव के दौरान मैदान में उतारा गया था। इन चुनावों में पार्टी के दो सांसद फग्गन सिंह कोलस्ते और गणेश सिंह हार गए थे, लेकिन उन्हें एक बार फिर लोकसभा चुनाव में उतारा गया है। भाजपा ने अब लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की कुत्त सूचियां जारी की हैं, भाजपा द्वारा उम्मीदवारों की घोषणा की शुरूआत 2 मार्च को की गई थी और 26 मार्च तक भाजपा 405 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। पिछले चुनाव के दौरान भाजपा ने 436 सौटों पर उम्मीदवार मैदान में उतारे थे, जिनमें से 303 उम्मीदवार विजयी रहे थे। 51 सीटों पर भाजपा की जमानत जब्त हुई थी। फिलहाल पार्टी ने पंजाब, उत्तर प्रदेश की 6 पूर्व मुख्यमंत्री मैदान में भाजपा ने बदली रणनीति के तहत अपने 6 पूर्व मुख्यमंत्रियों को भी मैदान में उतारा है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री विपलव कुमार देव, असम के पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल, कर्नाटका के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. बोमई व जगदीश शेट्टार को भी मैदान में उत्तारा गया है। राज्यसभा के हैवीवेट मैम्बर भी मैदान में भाजपा ने इस चुनाव में राज्यसभा में मौजूद अपने कई हैवीवेट मैग्बरों को लोकसभा चुनाव के मैदान में उतार दिया है। राज्यसभा के रास्ते इनमें से कई सांसद केंद्र में मंत्री भी हैं। पियूष गोयल को मुम्बई नार्थ सीट से मैदान में उतारा गया है, जबकि मनसुख माडविया पोरबंदर, राजीव चंद्र शेखर तिरुवनंतपुरम, वी. मुरलीधरन आटिंगल, पुरुषोत्तम रुपाला राजकोट, भूपेंद्र यादव अलवर, अनिल बलूनी गढ़वाल, ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना, सर्वानंद सोनीवल डिब्रूगढ़, बिपलव कुमार देव त्रिपुरा पश्चिम, सरोज पांडे कोरवा, एल मरुगन नीलगिरि, विवेक ठाकुर नवादा सीटों से चुनाव मैदान में किस्मत आजाएंगे। कांग्रेस के साथ सीधे मुकाबले वाले राज्यों में काटे ज्यादा टिकट भाजपा ने उम्मीदवारों के चयन के मामले में उन राज्यों का खास तौर पर ध्यान रखा है जहाँ पिछले चुनाव के दौरान उसने जबरदस्त जीत हासिल की थी और जिन राज्यों में वह कांग्रेस के साथ सीधे मुकाबले में हैं। पार्टी ने गुजरात के 25 में से 13, मध्य प्रदेश के 14, राजस्थान के 14 कर्नाटक के 10, छत्तीसगढ़ के 7, हरियाणा के 6 असम के 5, उम्मीदवारों के अलावा हिमाचल और उत्तराखंड में 2-2 उम्मीदवारों के टिकट काटे गए हैं।

## ब्रिटेन P M ऋषि सुनक को झटका, दो मंत्रियों ने दिया इस्तीफा

इंटरनेशनल डेस्क: ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को आम चुनाव से पहले बड़ा झटका लगा है। खबरों के मुताबिक, सुनक कैबिनेट के दो मंत्रियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। कंजर्वेटिव पार्टी के एक पूर्व सदस्य ने कहा कि मानक निगरानी संस्था द्वारा संसद के नियमों का बेहद गंभीर उल्लंघन करने के लिए 35 दिनों के निलंबन की सिफारिश के बाद वह एक विधायक के रूप में इस्तीफा दे

# जयशंकर ने दक्षिण चीन सागर में फिलीपीन-चीन विवाद पर कहा- भारत दृढ़ता से मनीला के साथ

**मनीला**= विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ फिलीपीन के विवाद के बीच मंगलवार को कहा कि अपनी राष्ट्रीय संप्रभुत्ता को बनाए रखने में दक्षिणपूर्व एशियाई देश का भारत दृढ़ता से समर्थन करता है और वह रक्षा एवं सुरक्षा समेत सहयोग के नए क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशना चाहता है। जयशंकर ने मनीला में फिलीपीन के विदेश मंत्री एनरिक मनालो के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स% पर एक पोस्ट में कहा, ''फिलीपीन के मंत्री मनालो के साथ सार्थक मुलाकात हुई। राजनीति, रक्षा, सुरक्षा व समुद्री सहयोग, व्यापार व निवेश, बुनियादी ढांचा, विकास सहयोग, शिक्षा, डिजिटल, प्रौद्योगिकी, संस्कृति तथा दूतावास संबंधी क्षेत्रों में संबंध मजबूत बनाने पर व्यापक चर्चा हुई। उन्होंने हिंद-प्रशांत, दक्षिणपूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान), पश्चिम एशिया, यूक्रेन, गुट निरपेक्ष आंदोलन तथा संयुक्त राष्ट्र समेत वैश्विक, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर विचार साझा किए। जयशंकर कहा, ''चूंकि दोनों लोकतंत्र नियम आधारित व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध हैं, लिहाजा हमारा सहयोग गहरा बनाने के लिए उत्साहित हूं। मनालो के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने कहा ''मैं इस अवसर पर दृढ़ता के साथ दोहराना चाहता हूं कि भारत राष्ट्रीय संप्रभुत्ता को बनाए रखने में फिलीपीन का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि बदलती दुनिया के साथ यह आवश्यक है कि भारत और फिलीपीन उभरते विश्व को आकार देने में अधिक निकटता से सहयोग करें। विदेश मंत्री ने एक सवाल पर कहा कि प्रत्येक देश को अपनी राष्ट्रीय संप्रभुत्ता को बनाए रखने का अधिकार है। उन्होंने कहा, ''हमने इस पर भी चर्चा की है। जयशंकर ने कहा कि हाल में भारत और फिलीपीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों में बहुत उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। दक्षिण चीन सागर में घटनाक्रम के बीच फिलीपीन के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने की भारत की योजनाओं पर एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा, ''आपको उस सहयोग को उसकी खूबियों के आधार पर देखने की जरूरत है। यह जरूरी नहीं है कि इसका संबंध किसी खास स्थिति से है। उन्होंने कहा, ''लेकिन आज यह स्वाभाविक है कि जब दो देशों के बीच यह विश्वास तेजी से बढ़ रहा है, लिहाजा हम सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों की संभावनाओं को तलाश करेंगे। और निश्चित तौर पर रक्षा तथा सुरक्षा उनमें से एक है। गौरतलब है कि चीन ज्यादातर दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा जताता है जबकि फिलीपीन, वियतनाम, मलेशिया, ब्रूनेई और ताइवान भी उस पर अपने दावे जताते हैं। मनालो ने कहा कि जब समुद्री क्षेत्र की बात आती है तो फिलीपीन ने लगातार अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय नियमों व विनियमों का पालन करने की आवश्यकता की पुष्टि की है। दक्षिण चीन सागर में बीजिंग की हालिया गतिविधियों के बारे में उन्होंने चीन पर फिलीपीन के जहाजों को उसके सैनिकों तक सामान की आपूर्ति करने से रोकने का आरोप लगाया। मनालो ने कहा, ''भारत और फिलीपीन की मुक्त, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत सुनिश्चित करने में गहरी रूचि है। और इस संदर्भ में, हम रक्षा व सुरक्षा सहयोग पर नियमित रूप से व्यापक बातचीत कर रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि प्रत्येक देश का समुद्री सुरक्षा में हित है। उन्होंने कहा, ''हमारे मामले में संभवत= यह कई अन्य देशों से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा, ''बैठकें तथा यात्राएं हमारे दोनों देशों के बीच बढ़ती निकटता का एक संकेतक है। लेकिन यह व्यापार और निवेश तथा स्वास्थ्य व खाद्य सुरक्षा से लेकर शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, रक्षा तथा समुद्री सहयोग तक कई क्षेत्रों में समान रूप से दिखायी देता है। जयशंकर ने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार पिछले साल के तीन अरब डॉलर के स्तर के पार चला गया है और उन्होंने विश्वास जताया कि यह बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा, ''मंत्री मनालो के साथ हुई चर्चा में मेरा संदेश यही था कि हर साल करीब सात फीसदी की दर से वृद्धि कर रही पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था फिलीपीन के साथ अपनी भागीदारी बढ़ाने की तैयारी कर रही है। जयशंकर ने कहा कि उन्होंने और उनके समकक्ष ने ''यह देखते हुए समुद्री सुरक्षा में हमारे साझा हितों पर चर्चा की कि हमारे दोनों देशों ने वैश्विक जहाजरानी उद्योग में कितना योगदान दिया है। उन्होंने लाल सागर तथा अरब सागर में मौजूदा खतरों से निपटने के लिए भारतीय नौसेना की तैनाती के बारे में भी मनालो को जानकारी दी। जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ की ओर बढ़ने पर उन्हें विश्वास है कि और भी बहुत कुछ उनका इंतजार कर रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569